राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 16 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-56 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामला : राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी और ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (चार्जशीट) दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई है।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल चार्जशीट में कांग्रेस से जुड़े सुमन दुबे और अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। कोर्ट इस मामले पर संज्ञान लेने की प्रक्रिया 25 अप्रैल को शुरु करेगी। यहां बताते चलें कि यह मामला नेशनल हेराल्ड, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और कांग्रेस नेताओं की निजी कंपनी यंग इंडियन के बीच हुए वित्तीय लेन-देन से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने पार्टी फंड का दुरुपयोग किया। एजेएल की करोड़ों की संपत्ति को यंग इंडियन के जरिए निजी नियंत्रण में लाया गया। इडी का दावा है कि पार्टी फंड्स का गैरकानूनी तरीके से निजी लाभ के लिए उपयोग किया गया।

यंग इंडियन में कौन हैं हिस्सेदार?

जांच के अनुसार, यंग इंडियन में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की 76प्रतिशत हिस्सेदारी है। शेष हिस्सेदारी अन्य कांग्रेस नेताओं और पार्टी से जुड़े लोगों के पास बताई गई है।

ईडी की जांच में क्या सामने आया?

पार्टी फंड्स से एजेएल को लोन देने और बाद में एजेएल की संपत्तियों को यंग इंडियन को ट्रांसफर कराने की प्रक्रिया को धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग करार दिया गया है। ईडी ने दस्तावेज़ों, लेन-देन की जानकारी और संबंधित गवाहों के बयान के आधार पर चार्जशीट तैयार की है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में आया जोरदार भूकंप, पहाड़ से जमकर बरसे पत्थर!

वॉशिंगटन।

अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप के झटके से लोग सहम उठे। भूकंप से सैन डिएगो के बाहर ग्रामीण इलाकों में सड़कों पर पत्थर गिरने लगे। जू में हाथी डरकर भागने लगे। अलमारियों और दीवारों से सामान भरभरा कर गिरने लगे। फिलहाल, इस भयंकर भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि, अधिकारियों नुकसान के आंकलन में जुटे हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप स्थानीय समयानुसार सोमवार सुबह 10.08 बजे आया। इसका केंद्र सैन डिएगो काउंटी में जूलियन से केवल 4

किलोमीटर दूर था। जूलियन लगभग 1,500 लोगों का एक पहाड़ी शहर है, जो अपनी एप्पल पाई की दुकानों के लिए जाना जाता है। इसे 193 किलोमीटर दूर लॉस एंजिल्स काउंटी तक महसूस किया गया। भूकंप के बाद कई झटके भी आए।

सैन डिएगो काउंटी के लिए कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन के कैप्टन थॉमस शूट्स ने कहा कि जब जमीन हिलना शुरू हुई तो स्कूली बच्चों को एहतियात के तौर पर इमारतों के बाहर ले जाया गया। उन्हें एक शेक अलर्ट मिला और फिर उन्हें चीजें लुढ़कती और टकराती हुई महसूस होने लगीं। उन्होंने कहा कि बहुत कंपन और खड़खड़ाहट हो रही थी। लेकिन शुक्र है कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है।

सैन डिएगो काउंटी शेरिफ विभाग ने यह भी कहा कि उन्हें नुकसान या चोटों की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। जूलियन कैफे एंड बेकरी की मालकिन रिले ओजुना ने कहा कि उनके व्यवसाय में कुछ कप जमीन पर गिर गए। लेकिन सब कुछ ठीक है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में भूकंप एल्सिनोर फॉल्ट जोन के पास 13.4 किलोमीटर की गहराई पर आया।

पहला कॉलम

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरु, ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते

नई दिल्ली । वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरु हो चुका है। यह पंजीकरण आप ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते है। बता दें कि इस साल पवित्र अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगी। आपको श्राइन बोर्ड की वेबसाइट पर जाना होगा। इस वेबसाइट पर आपको रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना होगा और एक पासपोर्ट साइज फोटो वाला आईडी प्रूफ जैसे आधार, वोटर आईडी या फिर पासपोर्ट अपलोड करना होगा। साथ ही एक मेडिकल सर्टिफिकेट भी अपलोड करना होगा, इस श्राइन बोर्ड द्वारा अनुमोदित डॉक्टर से बनवाना जरूरी है। इसके अलावा आपको रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 150 रुपये भी जमा करने है। जब आप वेबसाइट पर दिया गया फॉर्म भर लेते हैं तब परमिट की एक सॉफ्ट कॉपी जेनरेट होगी जिसका प्रिंट आउट निकलवा कर यात्रा के दौरान अपने पास रखे। अगर आप ऑफलाइन आवेदन करना चाहते हैं, तब श्राइन बोर्ड की ओर से तय बैंकों की किसी भी शाखा में जाकर यात्रा के फॉर्म ले सकते है। हम आपको बता दें कि यह फॉर्म पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, यस बैंक और एसबीआई बैंक की शाखाओं पर आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। बैंक की शाखा पर ही आपको अपना मेडिकल सर्टिफिकेट भी दिखाना होगा। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आपको वहीं से यात्रा का परमिट मिल जायेगा। बता दें कि मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने के लिए आपको साइट पर अधिकृत डॉक्टरों और अस्पतालों की सूची भी मिल जाएगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर योगी, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते

वोट के खातिर दंगाइयों को ममता शांतिदूत कह रही

हरदोई । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा। मंगलवार को अमर सेनानी राजा नरपति सिंह के विजय दिवस पर आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने कहा कि ममता बनर्जी दंगाइयों को शांतिदूत कहती है। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि जिस किसी को बांग्लादेश पसंद हो, वे बांग्लादेश चला जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, दंगाइयों का उपचार डंडा ही है, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। सीएम योगी ने कहा, पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है। अगर कुछ लोग बांग्लादेश का समर्थन करते हैं, तब उन्हें वहीं जाना चाहिए था। पूरा बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री हाथ पैर हाथ धरे बैठी हैं। सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद देना चाहूंगा, जिनके हस्तक्षेप पर केंद्रीय बलों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली है। योगी ने कहा कि माफिया से जो जमीन खाली होगी, उस पर हॉस्पिटल बनाए जाएंगे।

सीएम स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया

चेन्नई । तमिलनाडु में राज्यपाल से तनातनी के बीच तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो चुके हैं। हमारे देश में अलग-अलग भाषा, जाति और संस्कृति के लोग रहते हैं। हम सब मिलजुलकर रहते हैं। डॉ. आंबेडकर ने राजनीति और प्रशासन की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार छीने जा रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने मौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भाषा अधिकार की रक्षा कर रहे हैं।

हिंदू समाज में एकता के लिए आंबेडकर और हेडगेवार ने खपाया अपना जीवन-मोहन भागवत

कानपुर ।

सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को यहां कहा कि हिंदू समाज में एकता-समानता बनाने के लिये डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर और डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने अपना पूरा जीवन खपा दिया। काम दोनों का एक ही था। मगर दोनों ने प्रारम्भ अलग-अलग अवस्था में अलग-अलग दिशा से किया था। भागवत ने कहा कि जब 1934 में महाराष्ट्र में सतारा के पास कराड़ की शाखा में डॉ. आंबेडकर गये थे तो उसका समाचार छपा था। केसरी समाचार पत्र में डॉक्टर बाबा साहब आंबेडकर का शाखा पर जो भाषण हुआ उसका तीन पंक्तियों में वृतांत दिया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ बातों में हमारे में मतभेद हैं तो भी मैं संघ को अपनत्व के भाव से देखता हूं।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि यह अपनत्व दो बातों का परिणाम था। डॉ. हेडगेवार और डॉक्टर आंबेडकर दोनों में अपने समाज के लिए कूट-कूट कर अपार आत्मीयता भरी थी। दोनों का जो कार्य था वह समाज में उसी आत्मीयता को उत्पन्न कर सब स्वार्थ और भेदों को तिलांजलि देने का काम था। उस काम के लिए दोनों चले। सब कार्यकर्ता चले। आज भी हम चल रहे हैं। स्वतंत्रता और समता एक साथ लानी है तो बंधुभाव होना जरूरी है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने कठिन परिस्थिति में अपनी शिक्षा पूरी की। उन्होंने भी बाबा साहब की तरह समाज में फैली विषमता को दूर कर एक सूत्र में पिरोने का काम किया। अपने लिये दोनों ही डॉक्टरों ने कुछ नहीं किया। बाबा साहब के जाने के बाद उनकी स्मृतियां पुस्तकालय था और डॉ. हेडगेवार के जाने के बाद उनकी स्मृतियां उनका पत्राचार था। दोनों ने ही अपने समाज के लिये कार्य किया और उनकी स्वतंत्रता बनी रहे इसके लिये अपना जीवन खपा दिया। उन्होंने कहा कि यह बड़ा संयोग है कि बाबा साहेब के जन्मदिवस पर ही यह कार्यक्रम हो रहा है।

उन्होंने कहा, बाबा साहब का काम था कि समाज से जणमूल से विषमता से हटाना। उन्होंने कहा कि जैसे संघ एक स्टार्टर है। वैसे बाबा साहब का कार्य भी स्टार्टर था। बाबा साहब का स्टार्टर किक वाला स्टार्टर था क्योंकि हिंदू समाज सुन नहीं रहा था। उन्होंने इस कार्य में अपना पूरा जीवन लगा दिया। उनका मानना था कि भारत देश को अच्छा बनना है तो विषमता, असमानता और एक दूसरे के प्रति प्रेम की कमी को भरने का प्रयास करना जरूरी है। संघ का कार्य भी जिन्होंने ने शुरू किया उनको सामाजिक विषमता का शिकार तो नहीं होना पड़ा लेकिन डायरेक्ट उपेक्षा का शिकार वह भी होते रहे। मोहन भागवत ने कहा कि इस प्रांत को जितनी जरूरत थी, उतना बड़ा कार्यालय बना है। संघ के मानक हैं। जहां जितनी जरूरत उनका ही निर्माण होता है। आवश्यकता से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इतना भी बनाने की स्थिति नहीं थी। जब डॉ. हेडगेवार अकेले चले थे तो संघ की बैठक घरों में होती थी। कभी कार्यालय इतने छोटे थे कि दिखते तक नहीं थे।

पुंछ में सेना के गश्ती दल पर आतंकियों ने की फायरिंग, कोई हताहत नहीं

-सेना और पुलिस ने किया तलाशी अभियान शुरु, लोगों को भी सतर्क रहने को कहा

पुंछ।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के लसाना क्षेत्र में बीती रात संदिग्ध आतंकियों ने सेना की एक टुकड़ी पर फायरिंग की। यह हमला गश्ती पार्टी पर इलाके में निगरानी के दौरान हुआ। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर तलाशी अभियान शुरु कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में सेना ने बताया कि ऑपरेशन लसाना के तहत सुरनकोट के लसाना इलाके में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान आतंकियों से मुठभेड़ भी हुई। इलाके में और जवान भेजे गए हैं और तलाशी अभियान जारी है।

जानकारी के मुताबिक देर रात लसान क्षेत्र में सेना की एक टोह पार्टी ड्यूटी पर थी। इस दौरान कुछ संदिग्ध आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए उन पर फायरिंग कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद संदिग्ध आतंकी जंगल में भाग गए। इस मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद सेना और पुलिस ने मिलकर पूरे इलाके को घेर लिया है। संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए जंगल और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी ली जा रही है। स्थानीय लोगों को भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी देने को कहा है। इस घटना के बाद पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है।

भारतीय मौसम विज्ञान का अनुमान, देश में कहीं भीषण गर्मी, कहीं तेज बारिश का जोर

नई दिल्ली ।

देश के विभिन्न राज्यों में मौसम का मिजाज काफी अलग है। कहीं गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर रही है, कहीं बारिश का दौर जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, पश्चिमी राजस्थान से लेकर हिमालयी क्षेत्रों तक और दक्षिण भारत से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक अलग-अलग मौसमीय गतिविधियों दिखाई देगी।

पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान में 16 से 18 अप्रैल के बीच लू की स्थिति बनी रहेगी। कुछ इलाकों में यह लू बेहद गंभीर रूप ले सकती है। गुजरात राज्य में भी 17 अप्रैल तक गर्म हवाओं का असर जारी रहने की संभावना है। बाढ़मेर में तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जो इस समय

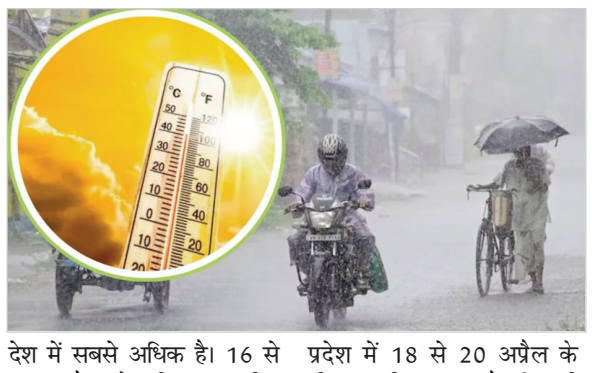

देश में सबसे अधिक है। 16 से 20 अप्रैल के बीच एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। 18 और 19 अप्रैल को इन इलाकों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अनुमान है। साथ ही मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 से 20 अप्रैल के बीच आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

दक्षिण भारत में बारिश की संभावना

वहीं केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं।

मेहुल चौकसी को भारत लाने की कवायद तेज, बेल्जियम जाएंगे 6 अधिकारी

नई दिल्ली।

देश में करीब 13 हजार करोड़ का घोटाला करने के आरोपी मेहुल चौकसी पर अब और अधिक शिकंजा कस दिया गया है। उसे बेल्जियम से भारत लाने के लिए अधिकारी लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही प्रयासों के बीच तय किया गया कि 6 अधिकारियों को बेल्जियम भेजा जाए। भगोड़े चौकसी की कोर्ट में सुनवाई से पहले ईडी और सीबीआई बेल्जियम जाने को तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई और ईडी ने बेल्जियम जाने वाले अधिकारियों की लिस्ट तैयार कर ली है। जल्द ही ये अधिकारी रवाना हो सकते हैं।

सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले ही उसके खिलाफ इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस को हटा दिया गया था और तभी से भारतीय एजेंसियां उसे प्रत्यर्पण के माध्यम से भारत लाने के प्रयास में लगी हैं। भारत और बेल्जियम के बीच लंबे समय से प्रत्यर्पण संधि है।सीबीआई और ईडी के आग्रह पर ही मेहुल चौकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक वह स्विट्जरलैंड भागने की फिराक में था। प्रत्यर्पण का आग्रह करने के बाद चौकसी को 12 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक सीबीआई और ईडी से तीन-तीन अधिकारियों को बेल्जियम भेजा जाएगा। उनके चयन के बाद कागजात बनाए जाएंगे। वीं इस बात की संभावना है कि चौकसी भी अपने प्रत्यर्पण को रुकवाने के लिए उच्च

प्रशासन को अप्रोच करेगा।

चौकसी के वकील ने बताया था कि वह बेल्जियम में गिरफ्तारी के विरोध में याचिका फइल करने वाले हैं। उन्होंने कहा था कि चौकसी ब्लड कैंसर का इलाज करवा रहे हैं। ऐसे में मेडिकल के आधार पर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आरोपी कैंसर से पीड़ित है और उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा,हम बेल्जियम में उसकी गिरफ्तारी के खिलाफ अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं।

बिहार चुनाव को लेकर खड़गे और राहुल गांधी से मिले तेजस्वी,

नई दिल्ली ।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मीटिंग हुई। इस मीटिंग में महागठबंधन के सीएम फेस को लेकर हुई चर्चा को काफी अहम माना जा रहा है। सीएम फेस के सवाल पर तेजस्वी यादव ने मीटिंग के बाद कहा, हम लोग आपस में बैठ कर तय कर लेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव के चलते आरजेडी की अगुवाई वाले महागठबंधन के साथ कांग्रेस विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन सीट शेयरिंग और सीएम चेहरे को लेकर गठबंधन के बीच कशमकश बनी हुई है। इसी बीच राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 15 अप्रैल को मीटिंग हुई जोकि सीएम फेस की चर्चा को लेकर काफी अहम मानी जा रही थी। इस मीटिंग के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, हम लोग आपस में बैठ कर तय कर लेंगे।तेजस्वी यादव की राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई मीटिंग के बाद उन से सीएम फेस को लेकर सवाल पूछा गया। जिस पर तेजस्वी यादव ने कहा, आपलोग चिंतित मत होईए। हम लोग आपस में बैठ कर यह तय कर लेंगे। तेजस्वी यादव ने जहां इस बात की जानकारी नहीं दी कि पार्टी मीटिंग में तेजस्वी यादव का चेहरा सीएम के लिए तय किया गया या नहीं। वहीं, उन्होंने इस बात को बार-बार कहा कि हम लोगों की पूरी तैयारी है। हम सब मिलकर बिहार को आगे लेकर जाएंगे। बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया गया। हम लोग मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। आरजेडी नेता ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार हाईजैक हो चुके हैं। एनडीए की सरकार बिहार में नहीं बनने जा रही है। तेजस्वी यादव ने मीटिंग को लेकर कहा, काफी पॉजिटिव मीटिंग हुई। इसी के बाद अब महा गठबंधन की 17 अप्रैल को पटना में प्रस्तावित मीटिंग को लेकर वो बोले, पटना में भी हम बैठेंगे। मजबूती के साथ बिहार को आगे ले जाने का संकल्प है। बिहार के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। सबसे ज्यादा पलायन बिहार से हो रहा है। साथ ही तेजस्वी यादव ने कहा, अगली बैठक 17 तारीख को पटना में होगी। आगे की रणनीति वहां तय होगी। बिहार में कांग्रेस

और आरजेडी की राह एक होगी यह बात तो है, लेकिन पार्टी के बीच सीएम फेस और सीट शेयरिंग को लेकर कशमकश बनी हुई है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने जिस तरह से खुद मुखरता से तेजस्वी के नाम की घोषणा की है। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस अभी तक इस बात को साफ नहीं कर रही है कि वो तेजस्वी यादव को सीएम कैंडीडेट के तौर पर समर्थन कर रहे हैं।

कांग्रेस इस बात पर सहमत नहीं है कि महागठबंधन का सीएम का चेहरा तेजस्वी यादव को बनाया जाए। इसी बीच राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के बीच हुई यह बैठक काफी अहम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई हमले की साजिश के सूत्रधार तहव्वुर- हेडली

17 साल की उम्र में, हेडली अपनी पाकिस्तानी सौतेली मां से झगड़ा होने के बाद फिलाडेल्फिया में अपनी असली मां के पास लौट गया। अमेरिका, पाकिस्तान और जर्मनी में नशीली दवाओं की लत के कारण 1988 में उसका पाला कानून से पड़ा, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। आगे चलकर, अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन एजेंसी (डीईए) ने उसे बतौर एक मुखबिर भर्ती कर लिया। 1998 में डीईए ने उसे अंडरकवर एजेंट के रूप में पाकिस्तान भेजा। उस अवधि के दौरान, उसके संबंध लश्कर-ए-तैयबा के साथ बन गए। वह बताता है कि उसने अमेरिकी अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पाकिस्तान की यात्राएं कीं। वर्ष 2000 में उसकी मुलाकात लश्कर के आध्यात्मिक गुरु हाफ़िज़ सईद से हुई।

वप्पला बालचंद्रन

डेविड कोलमैन हेडली और तहव्वुर राणा की यारी तब से है, जब वे दोनों पाकिस्तान में कुलीन सैन्य शिक्षा संस्थान हसन अब्दाल कैडेट कॉलेज में साथ पढ़ते थे। आगे चलकर, तहव्वुर राणा ने हेडली की गुप्त आतंकवादी टोही गतिविधियों को 'कवर' मुहैया करवाया।

हेडली, जिसका जन्म वाशिंगटन डीसी में दाऊद गिलानी के रूप में हुआ था, वह रेडियो प्रसारक पाकिस्तानी पिता सैयद सलीम गिलानी और अमेरिकी मां सेरिल हेडली का बेटा है। डेविड बचपन में परिजनों के साथ पाकिस्तान आ बसा। उसकी मां का तलाक हो गया और सेरिल वापस अमेरिका लौट गई। वर्ष 2013 में शिकागो में उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही से पता चलता है कि दाऊद उर्फ डेविड 'पाकिस्तानी राष्ट्रवाद और इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल' में पला-बढ़ा। हेडली के अनुसार, भारत के प्रति उसकी नफरत 1971 में शुरू हुई, जब भारत-पाक युद्ध के दौरान कराची पर हमले के दौरान एक भारतीय बम भटककर उसके प्राथमिक स्कूल पर जा गिरा और दो लोग मारे गए।

17 साल की उम्र में, हेडली अपनी पाकिस्तानी सौतेली मां से झगड़ा होने के बाद फिलाडेल्फिया में अपनी असली मां के पास लौट गया। अमेरिका, पाकिस्तान और जर्मनी में नशीली दवाओं की लत के कारण 1988 में उसका पाला कानून से पड़ा, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। आगे चलकर, अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन एजेंसी (डीईए) ने उसे बतौर एक मुखबिर भर्ती कर लिया। 1998 में डीईए ने उसे अंडरकवर एजेंट के रूप में पाकिस्तान भेजा। उस अवधि के दौरान, उसके संबंध लश्कर-ए-तैयबा के साथ बन गए। वह बताता है कि उसने अमेरिकी अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पाकिस्तान की यात्राएं कीं। वर्ष 2000 में उसकी मुलाकात लश्कर के आध्यात्मिक गुरु हाफ़िज़ सईद से हुई। वर्ष 2001 में उसने फिर से एक और साल के लिए डीईए के साथ 'अनुबंध साइन अप' किया। इसने उसे भारतीय उपमहाद्वीप की लगातार यात्राएं करने के मौके प्रदान किए।

'प्रो-पब्लिका' के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टीफन टैंकेल ने दुनिया के सामने 26/11 कांड के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली, उसके दोस्त तहव्वुर हुसैन राणा और आईएसआई के बीच गुप्त संबंधों को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाई। जिसकी हवा अमेरिकी स्रोतों ने आधिकारिक तौर इससे पहले नहीं लगने दी। 2012 में नेशनल जियोग्राफ़िक चैनल द्वारा 26/11 हमले पर बनाई डॉक्यूमेंट्री 'सेकंड्स टू डिजास्टर ़द मुंबई मैसेकर' में स्टीफन टैंकेल और मेरे विचार शामिल किए गए थे। उस साल वे लश्कर-ए-तैयबा पर अपनी पुस्तक 'स्टॉर्मिंग द वर्ल्ड स्टेज' का विमोचन करने मुंबई आए थे, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की आईएसआई के बीच घनिष्ठ संबंधों का खुलासा था, जिसके वास्ते तथ्य उन्होंने 2009 में पाकिस्तान एवं भारत में वास्तविक धरातल पर किए खोज-कार्य से जुटाए थे। वर्ष 2017 में उन्होंने नेशनल प्रेस क्लब, वाशिंगटन डीसी में मेरी किताब 'कीपिंग इंडिया सेफ' पर चर्चा सत्र की अध्यक्षता की थी। सेबेस्टियन रोटेला को व्यक्तिगत रूप से मैं जून, 2013 में ही जान पाया था, जब वे पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेस के वास्ते 2011 में बनाई अपनी डॉक्यूमेंट्री 'ए परफेक्ट टैरेरिस्ट' के द्वितीय अंक के लिए मेरा इंटरव्यू रिकॉर्ड करने मुंबई आए थे। पहले अंक में हेडली का मुंबई और डेनमार्क से राब्ता कैसे बना, यह बताया गया था। वह यह जांच भी कर रहे थे कि अमेरिकी एजेंसियों ने हेडली की संलिप्तता और भारत की लगातार यात्राओं के बारे में भारतीय अधिकारियों को सतर्क क्यों नहीं किया, जबकि एक अमेरिकी राजनयिक अधिकारी ने इस्लामाबाद में उसकी पत्नी से पूछताछ करने के बाद एफबीआई, डीईए और सीआईए को इसकी सूचना दी थी।

जनवरी, 2013 में अमेरिकी शिकागो जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैरी लीनेनवेबर ने डेविड कोलमैन हेडली को मुंबई नरसंहार की साजिश के हिस्से के तौर पर पूर्व-टोही अभियान में उसकी गहरी संलिप्तता के कारण 35 साल की जेल की सजा सुनाई। शिकागो में गवाहों में अमेरिकी लेखिका लिंडा रैग्सडेल भी शामिल थीं, जो 26/11 के हमले के दौरान घायल हुई थीं, जबकि उनके साथ खाने की मेज पर बैठे दो अन्य लोग मारे गए थे। अदालती कार्रवाई से पता चलता है कि पहले ही 'प्ली बार्गेन एग्रीमेंट' के तहत कबूलनामा कर चुके हेडली ने पाकिस्तान में अपने घर में टीवी पर लाइव कवरेज में मुंबई हमले का नज़ारा लिया था। हेडली ने अदालत को बताया कि उसने 2002 से 2005 के बीच पांच बार पाकिस्तान में लश्कर के प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया था। 2005 के अंत में, उसे टोही अभियान चलाने के लिए भारत की यात्रा करने के निर्देश मिले, जो उसने पांच बार की। अदालती कार्यवाही से यह भी संकेत मिलता है कि लीनेनवेबर ने अभियोजन पक्ष के उस अनुरोध के प्रति अरुचि दिखाई, जिसमें 'मुंबई में तीन दिन चले नरसंहार की भयावह प्रकृति' में हेडली की संलिप्तता के बावजूद उसे कानून के तहत अधिकतम सजा न देने की मांग की गई थी। भले ही अमेरिकी अटॉर्नी पैट्रिक फिट्ज़गेराल्ड ने उसके 'पूर्ण रूपेण कबूलनामे' के मद्देनजर नरमी बरतने का अनुरोध किया, लेकिन जज ने बताया कि हेडली को पहले भी दो बार 'उदार प्ली बार्गेन' मिल चुके हैं, जब उस पर 1980 और 1990 के दशक में हेरोइन तस्करी का आरोप लगा था। उन्होंने कहा कि वह उसे इतनी लंबी सजा सुना रहे हैं, जो 'उसे बाकी बचे प्राकृतिक जीवन तक जेल में बंद रखे।' 2013 में यूएस शिकागो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज हैरी लीनेनवेबर की अदालत में तहव्वुर राणा के खिलाफ़ चली अदालती कार्यवाही उसके और हेडली के बीच घनिष्ठ मित्रता का सबूत देती है, खासकर इस बारे में कि कैसे राणा की ट्रैवल एजेंसी द्वारा मुहैया 'कवर' ने हेडली को भारत और पाकिस्तान की लगातार यात्राएं करने का मौका दिया। राणा, जिसे 'आव्रजन सलाहकार' बताया गया था, उसने हेडली को अपनी आव्रजन परामर्श फर्म का विदेशी प्रतिनिधि दिखाकर अंडरकवर आतंकवादी टोही अभियान चलाने में मदद की। उसने हेडली को मुंबई में एक कार्यालय खोलकर दिया, व्यवसाय कार्ड का उपयोग करने देकर, वीजा प्राप्त करने में और अनन्य तरीकों से अंडरकवर बने रहने की सहूलियतें प्रदान कीं। जज हैरी लेननवेबर ने लश्कर-ए-तैयबा की आतंकवादी गतिविधियों को भौतिक रूप से सहायता प्रदान करने और पैगंबर मुहम्मद के कार्टून प्रकाशित करने वाले डेनिश अखबार पर हमला करने की साजिश में शामिल होने के दोहरे आरोपों के लिए राणा को चौदह साल की जेल की सजा सुनाई। हालांकि, उन्होंने उसे मुंबई 26/11 हमलों में भौतिक रूप से मदद करने के आरोप से बरी कर दिया। इसमें उन्होंने ज्यूरी के निष्कर्ष से आंशिक रूप से सहमति व्यक्त की, जिसने राणा की इस दलील को स्वीकार किया था कि 'उसे मुंबई हमले की साजिश के बारे में कुछ पता नहीं था और लश्कर का समर्थक होने के बावजूद 2008 के नरसंहार में उसने कोई भूमिका नहीं निभाई'। हालांकि, जज ने पाया कि नवंबर, 2008 में मुंबई में जो कुछ हुआ उसके बाद राणा को ऐसे संबंधों की 'घातक क्षमता' के बारे में पता अवश्य होगा। इसलिए उन्होंने दंड कानून के प्रावधान के तहत सज़ा को 11 साल से बढ़ाकर 14 साल कर दिया।

सच है कि फरवरी, 2016 में अबू जुंदाल के मामले में मुंबई की एक अदालत ने हेडली से बतौर गवाह ऑनलाइन पूछताछ की थी। हालांकि, राणा के भारत प्रत्यर्पण होने से हेडली से पूर्व टोही अभियान चलाने में मदद देने में उसकी भूमिका के बारे में पूछताछ करने का मौका मिलेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि शिकागो ज्यूरी के निष्कर्ष उन तथ्यों पर आधारित नहीं लगते, जो हमारी जांच एजेंसियों ने यूएसए में अपने समकक्षों को दिए थे।

संपादकीय

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन-चैन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए।

शिक्षक और सड़क दोनों मंजिल तक पहुंचाने के कारगर सेतु

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति,मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म ज़बूत ढाल का काम कर सकते हैं!वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,, शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,, इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे।

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे। साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दिगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के ज़रिये व्यक्ति समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दिगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मज़बूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दिगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मज़बूत आकार प्रदान करता है।शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है। शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर ,कोई इंजीनियर कोई वकील,सीए,पायलट सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। देश का कृषि, व्यापार व औद्योगिक विकास परिवहन के साधनों पर ही निर्भर करता हैं।परिवहन एक महत्वपूर्ण तृतीयक व्यवसाय हैं। आज के परिपेक्ष में बिना सड़क के मानवीय जीवन अधूरा है। इसके बिना जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता, हालांकि हजारों या सैकड़ों वर्षों पहले हमारे पूर्वज उस परिस्थितियों से दो चार हुए होंगे पर अभी आधुनिक डिजिटल युग में यह संभव नहीं। साथियों बात अगर हम सड़क निर्माण के विशाल चरणों और सड़क के महत्व की करें तो, सड़क निर्माण में कार्य के कई चरण हैं, जैसे क्षेत्र सर्वेक्षण, मिट्टी सर्वेक्षण, यातायात सर्वेक्षण, ज्यामितिक डिज़ाइन, संरचनीय डिज़ाइन, और वास्तविक निर्माण क्षेत्र। भारत में सड़कें हाथों के श्रम से, या यंत्रों से, बनाई जाती है। पहले देश में मजदूर बहुतायत से मिलते थे जिसके कारण शारीरिक श्रम का ही अधिकतर प्रयोग किया जाता है, परंतु अब सब मशीनीकरण से हो गया है। भारतीय सड़कों का जाल विश्व का सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़क परिवहन छोटी एवं मध्यम दूरी तय करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह विश्वसनीय, तेज, लचीला तया मांगपूरित तरीका है, जो घर-घर जाकर सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। यह गांवों को बाजारों, कस्बों, प्रशासनिक व सांस्कृतिक केन्द्रों से जोड़ता है और इस प्रकार उन्हें देश की मुख्य धारा में शामिल करता है। सड़क परिवहन सुदूरवर्ती पहाड़ी, मरुस्थलीय, जनजातीय तथा पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ता है। सड़कें भी विभिन्न प्रकार के लोगों को अपनी मंजिल तक पहुंच आती है जैसे, राष्ट्रीय राजमार्ग-ये राजमार्ग देश की चौड़ाई एवं लंबाई के अनुसार बिछाये गये हैं। ये राज्यों की राजधानियों, बंदरगाहों, औद्योगिक व खनन क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय महत्व के शहरों एवं कस्बों को जोड़ते हैं।प्रांतीय राजमार्ग- ये एक राज्य के भीतर व्यापारिक एवं सवारी यातायात के मुख्य आधार होते हैं। ये राज्य के प्रत्येक कस्बे को राज्य की राजधानी, सभी जिला मुख्यालयों, राज्य के महत्वपूर्ण स्थलों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संलग्न क्षेत्रों के साथ जोड़ते हैं। जिला सड़कें- ये सड़कें बड़े गांवों एवं कस्बों को एक-दूसरे से तथा जिला मुख्यालय से जोड़ती हैं। ये अधिकांशतया कच्ची होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव जिला परिषदों या सम्बंधित सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। ग्रामीण सड़कें- ये सड़कें गांवों को जिला सड़कों से जोड़ती हैं। ये सड़कें प्रायः कच्ची, संकरी तथा भारी वाहन यातायात के अनुपयुक्त होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव ग्राम पंचायतों द्वारा किया जाता है। इन चारों के अतिरिक्त, सड़कों के तीन और अन्य प्रकार हैं- सीमा सड़कें, अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग और द्रुत राजमार्ग।

(चिंतन-मनन)

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है।

इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता।

शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुत- इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है।

इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

विचार मंथन

एससी- एसटी वर्गीकरण का पहला राज्य बना तेलंगाना

(लेखक- सनत जैन)

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के भीतर वर्गीकरण की नीति को लागू करने का निर्णय लिया है। तेलंगाना देश का पहला राज्य बन गया है। जिसने सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के निर्णय के अनुसार वर्गीकरण का काम कर केंद्र सरकार और भाजपा को कड़ी चुनौती देने का काम किया है। तेलंगाना सरकार का यह निर्णय सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा और साहसिक कदम है। आजादी के बाद देश में आरक्षण की व्यवस्था, समग्र सामाजिक विकास के उद्देश्य से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए की गई थी। कई दशकों बाद यह महसूस हुआ, एससी-एसटी समुदाय के भीतर की कुछ जातियाँ ही आरक्षण का लाभ मिला हैं। जबकि अन्य समूह 75 साल के बाद भी हाशिए पर ही रह गए है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए अब समूह के बीच वर्गीकरण की आवश्यकता पैदा हुई है। तेलंगाना सरकार ने एक अध्ययन समिति का गठन किया था। उसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने उपसमूह के आधार पर यह निर्णय लिया है। समाज के भीतर सबसे पिछड़े वर्गों को वास्तविक लाभ कैसे पहुँचाया जाये। इस वर्गीकरण से अब आरक्षण और अन्य सामाजिक योजनाओं का लाभ उनको नहीं मिलेगा, जो पहले से सशक्त हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ उन उपवर्गों तक पहुँचेगा। जिन्हें अब तक आरक्षण के लाभ से नजर अंदाज रखा गया है।यह कदम सामाजिक ही नहीं, संवैधानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ इस विषय पर पहले ही फैसला कर चुकी है। इस तरह के वर्गीकरण को सिद्धांततः सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ वैध ठहरा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की शर्त थी, इसका आधार ठोस और न्यायसंगत हो। तेलंगाना सरकार ने इस बात का ध्यान रखते हुए सर्वे के माध्यम से व्यापक आंकड़ों और समाजिक विश्लेषण के साथ नीति तैयार की है। यह निर्णय देश के बाकी राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है। इस निर्णय को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू किया जाएगा, तो निश्चित रूप से यह नीति उन समुदायों के लिए वरदान साबित हो सकती है।जो अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से बहुत दूर है। तेलंगाना ने यह सिद्ध किया है, केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों से ही सामाजिक न्याय को सुनिश्चित और जवाबदेह बनाया जा सकता है। तेलंगाना सरकार की यह पहल देश में आरक्षण नीति के पुनः परीक्षण और नवचिंतन का नया आधार बन सकता है। तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जाति आधार पर जनगणना की मांग पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। जिस तरह की स्थिति देश में अब बन गई है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आरक्षण के मसले पर जो दिशा निर्देश जारी किए हैं। उसके अनुसार तेलंगाना सरकार ने काम करते हुए जो नई नीति लागू की है। वह देश के विकास की एक नई आधार शिला बन सकती है। 2021 की जनगणना का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। केंद्र सरकार को चाहिए 2021 की, जो जनगणना होना है। उसमें सभी वर्गों के साथ उनके उप वर्गों को भी शामिल किया जाए। आर्थिक एवं सामाजिक जानकारी के आंकड़े सामने लाये जाएं, ताकि भारत के सभी नागरिकों समान अवसर प्राप्त हों, जो अभी तक वंचित है। वंचित और जरूरत मंदों को आरक्षण का सहारा देकर मुख्य धारा में लाने का काम सामाजिक व्यवस्था के लिए जरूरी है।

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए। वह कमजोर वर्गों को राहत देकर उन्हें विकास की दौड़ में समान अवसर प्रदान करें। आरक्षण को लेकर विगत कई दशकों से समय-समय पर जो विवाद देखने को मिलते है। तेलंगाना सरकार के इस निर्णय से समाज के सभी वर्ग ओर समुदाय को आरक्षण का लाभ मिलना तय होगा।

इसके लिए तेलंगाना सरकार ने जो पहल की है सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है। इन दोनों की सराहना की जानी चाहिए। इस फैसले ओ राजनीतिक नजरिए से न देखकर सामाजिक विकास के नजरिए से देखना होगा। तेलंगाना सरकार ने संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस पर जो पहल की है, वह सराहनीय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका चीन से आयात कंप्यूटर चिप, दवाओं पर बढ़ाएगा शुल्क!

बैंकॉक। अमेरिकी प्रशासन ने चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने की तैयारी शुरु कर दी है, जिसमें कंप्यूटर चिप, चिप बनाने वाले उपकरण और दवा सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने इस आदेश के तहत जांच की घोषणा की है और सार्वजनिक टिप्पणी के लिए नोटिस जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह दिए गए आर्डर में चीन से आए उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अब कंप्यूटर चिप और उससे बनने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाने की योजना बन रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस निर्णय के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का मंत्र बताया है और कंप्यूटर चिप और यहां तक कि कार, रेफ्रिजरेटर, स्मार्टफोन जैसे दैनिक उपयोग की वस्तुओं के आयात पर नजर बनाने की योजना बनाई है। इस कदम से अमेरिका के विदेशी व्यापार पर भारी आर्थिक प्रभाव हो सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए इस निर्णय का समर्थन किया है।

एईटीएल को पीजीवीसीएल से मिली दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं

नई दिल्ली। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स लिमिटेड (एईटीएल) ने कहा कि उसे पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) से दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं हो सिल हुई है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसे दो प्रमुख बिजली आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाला) के तौर पर चुना गया। इसमें पीजीवीसीएल के नेटवर्क के भीतर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए 11 केवी (किलोवोल्ट) मध्यम वोल्टेज कवर कंडक्टर तथा उसके सहायक उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व उसे चालू करना शामिल है। एईटीएल बिजली पारेषण, दूरसंचार अवसंरचना व ऊर्जा परिवर्तन समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है।

वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 43,01,848 इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में थोक बिक्री 42,18,750 इकाई रही थी। यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च महीने में 3,81,358 इकाई रही, जो मार्च 2024 के 3,68,090 वाहनों से चार प्रतिशत अधिक है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने एनटीपीसी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

मुंबई। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने घोषणा की कि उसने 200 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजना के लिए देश की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत टीपीआरईएल की उम्मीद है कि सालाना लगभग 1,300 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होकर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना सौर, पवन और बीईएसएस टेक्नोलॉजी को शामिल करेगी। इस परियोजना की चरणबद्ध सामरिकता से उम्मीद है कि यह देश भर में इसे 24 महीने के भीतर पूरा कर पाएगा। इसके साथ ही टीपीआरईएल की कुल नवीकरणीय ऊर्जा उपयोगिता क्षमता 10.9 गीगावाट तक पहुंच गई है और वितरण कंपनियों की पीक पावर सप्लाई की 90 फीसदी उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी क्षमता मिली है। इस परियोजना से आशा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हरित ऊर्जा समाधान पेश करने के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी ऊर्जा की सामरिकता में सुधार होगा।

वनप्लस 13टी जल्द ही बाजार में होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

महंगे स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी वन प्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को जल्द ही लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में फोन का एक हैंड्स-ऑन वीडियो सामने आया है।

यह वीडियो चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर शेयर किया गया था, जिसे टिपस्टर अभिषेक यादव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया है। लीक वीडियो में फोन की रियर और साइड डिजाइन की हल्की झलक मिलती है, हालांकि पूरा डिजाइन साफ तौर पर नहीं दिखता।

इस फोन को लेकर बीते कुछ समय से लगातार लीक्स सामने आ रहे हैं, जिनमें इसके संभावित फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस का खुलासा हुआ है। वनप्लस 13टी में 6.3 इंच का फ्लैट ओलेड डिस्प्ले हो सकता है, जो 1.5के रेजॉल्यूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। डिस्प्ले की पीक ब्राइटनेस 1600 निट्स तक होने की संभावना है।

प्रोसेसर के तौर पर इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8 एलीट चिपसेट दिया जा सकता है। इसमें एलपीडीडीआर4एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकती है।वनप्लस 13टी में वायफाय 7, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी, ड्यूल स्टीरियो स्पीकर, एक्स-अक्सिस लीनियर मोटर और एक नया एक्शन बटन मिलेगा। यह

फोन मेटल फ्रेम के साथ आईपी68/69 रेटिंग और एंड्राएड 15 ओएस पर काम करेगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें डुअल रियर कैमरे मिल सकते हैं, जिनमें 50 एमपी का मेन लेंस और 50एमपी का टेलीफोटो सेंसर शामिल होगा। सेल्फी के लिए 32 एमपी का फ्रंट कैमरा मिल सकता है।

फोन में 6100 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है, जो 80वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

खाद्य वस्तुएं सस्ती होने से थोक मुद्रास्फीति मार्च में घटकर हुई 2.05 फीसदी

थोक मुद्रा स्फी ति मार्च 2024 में 0.26 प्रतिशत थी

नई दिल्ली।

खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने के कारण मुद्रास्फीति मार्च में 2.05 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले महीने की 2.38 प्रतिशत की तुलना में कम है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में वार्षिक आधार पर वृद्धि देखी गई है, जो मार्च 2024 में 0.26 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय के बयान के अनुसार खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य वस्तुओं, बिजली, और कपड़े की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। सब्जियों की कीमतों में तेजी से गिरावट देखने में थोक मूल्य सूचकांक का भी बड़ा योगदान रहा। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 3.07 प्रतिशत हो गई है, जो फरवरी की 2.86 प्रतिशत से अधिक है। ईंधन और बिजली में भी वृद्धि की गई है और मार्च में यह 0.20 प्रतिशत रही है। इस मुद्रास्फीति का आंकड़े बताते हैं कि खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने के बावजूद, अन्य विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि दिखाई दे रही है। विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों के बावजूद, खाद्य उत्पादों में मुद्रास्फीति की दर में कमी आई है।

होम लोन पर ब्याज का बोझ कैसे घटाएं?

अपनाएं 2025 में ईएमआई कम करने के तरीके

नई दिल्ली।

पिछले दो वर्षों में भारत के प्रमुख शहरों में घरों की कीमतों में औसतन 18 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब औसत कीमत 7,989 रुपए से लेकर 34,026 रुपए प्रति वर्ग फुट के बीच पहुंच गए हैं। ऐसे में जहां एक ओर लोग घर खरीदने की लागत घटाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं उन्हें होम लोन की फाइनेंसिंग लागत कम करने पर भी ध्यान देना चाहिए। लोन के लिए अप्लाई करने से पहले अपना क्रेडिट स्कोर जरूर जांचें। बैंकबाजार डॉट कॉम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहते हैं, होम लोन की ब्याज दरें आपके क्रेडिट स्कोर से जुड़ी होती हैं। अगर स्कोर अच्छा है तो आपको सबसे कम ब्याज दर मिल सकती है। आमतौर पर 750 से ऊपर का स्कोर अच्छा माना जाता है। अगर आपका स्कोर कम है, तो लोन लेने की योजना थोड़ी टाल दें और पहले अपने क्रेडिट प्रोफाइल को बेहतर बनाएं। अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 से कम है तो बैंक आपको लोन देने से मना कर सकते हैं। अे धिकारी कहते हैं, ऐसे में आपको नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनीया हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का रुख करना पड़ सकता है, जो आमतौर पर ज्यादा ब्याज दर वसूलती हैं। किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर लोन लेने से आपकी लोन एलिजिबिलिटी बढ़ जाती है। हमेशा अधिकतम लोन-टू-वैल्यू रेश्यो लेने से बचें। मान लीजिए आप 1 करोड़ का घर खरीद रहे हैं और आपको 75 लाख तक लोन मिल सकता है। लेकिन अगर आप केवल 60 लाख का लोन लेते हैं, तो इससे आपको थोड़ी बेहतर ब्याज दर मिल सकती है। सबसे कम ब्याज दर पाने के लिए अलग-अलग लेंडर्स से ऑफर जानें।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1578 , निफ़्टी 500 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रति डोनाल्ड ट्रंप के 75 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाये जाने पर अस्थाई रोक के बाद अमेरिकी बाजारों में तेजी आई । इसका सकारात्मक असर भारतीय बाजारों पर भी पडा। । एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय एयरटेल जैसे शेयर ऊपर आये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1577.63 अंक करीब 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में यह 500 अंक तकरीबन 2.19 फीसदी ऊपर आकर 23,328.55 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों की सपत्ति में भी काफी बढ़त रही। कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 412,29,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं शुक्रवार को यह 402,34,966 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों की संपत्ति करीब 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बाजार में तेजी का सबसे बड़ कारण ट्रंप की उस टिप्पणी को माना जा रहा है। इसमें उन्होंने ऑटोमोबाइल सेक्टर को टैरिफ से अस्थायी राहत देने की बात कही। ट्रंप ने कहा कि ÷ऑटोमोबाइल कंपनियों को कनाडा, मैक्सिको और अन्य जगहों से संयंत्र दूसरी जगह ले जाने के लिए समय चाहिए। आज अधिकर हेवीवेट शेयरों में भी बढ़त रही। इनमें एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्री, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एक्सिस बैंक और टाटा

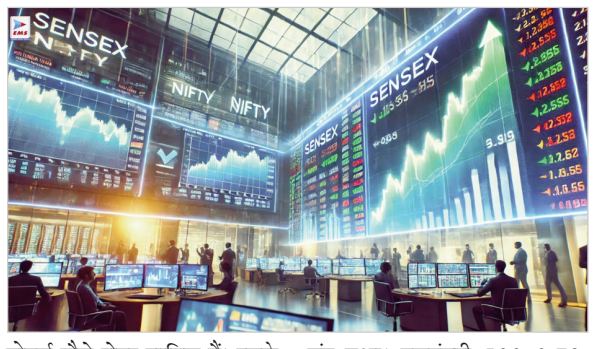

मोटर्स जैसे शेयर शामिल हैं। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में भी ट्रंप की टिप्पणी के बाद सकारात्मक माहौल रहा। जापान का निकेई इंडेक्स 1 फीसदी ऊपर था, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.37फीसदी ऊपर आया और हांगकांग के हेंगसेंग इंडेक्स में 0.2 फीसदी की तेजी रही

वहीं वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.78 फीसदी बढ़कर 40,524.79 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी उछलकर 16,831.48 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.79 फीसदी बढ़कर 5,405.97 पर बंद हुआ।

हालांकि, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स कम कारोबार कर रहा था। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा 0.2 फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की लगातार दूसरे दिन जोरदार तेजी के साथ शुरुआत हुई। मंगलवार को बाजार 1600 अंक से ज्यादा उछलकर 76,852.06 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 23,368.35 पर खुला।

बीवायडी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

बीवायडी कंपनी ने 2025 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने मार्च में 377,420 वाहन बेचे, जिससे क्यू 1 2025 में कुल बिक्री 990,711 यूनिट्स तक पहुंच गई।

यह आंकड़ा क्यू 1 2024 के 624,398 यूनिट्स की तुलना में 58.7प्रतिशत अधिक है। मार्च में बेचे गए वाहनों में 371,419 पैसेंजर कारें शामिल थीं, जो फरवरी 2025 से 15प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 23.1प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का उत्पादन भी इसी अवधि में 395,091 यूनिट्स तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत अधिक है। बीवायडी ने अप्रैल 2022 में आईसीई यानी इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों का उत्पादन बंद कर दिया था और अब केवल बीईवी (बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल) और पीएचईवी (प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल) बेचती है। क्यू 1 2025 में कंपनी ने 416,388 बीईवी यूनिट्स बेचीं, जो क्यू1 2024 की 300,114 यूनिट्स से 39प्रतिशत अधिक है। हालांकि, बीईवी की कुल बिक्री हिस्सेदारी 42.2प्रतिशत रही, जो पिछले साल की पहली तिमाही में 48.1प्रतिशत थी। वहीं, पीएचईवी की बिक्री में जोरदार बढ़त देखी गई, जो क्यू 1 2025 में 569,710 यूनिट्स रही। यह क्यू 1 2024 के 324,284 यूनिट्स से 76 प्रतिशत अधिक है, और इनका

कुल बिक्री में हिस्सा 57.8प्रतिशत रहा।

बीवायडी ने साल 2023 में 3 मिलियन वाहन बेचे थे और 2024 में यह आंकड़ा 4.3 मिलियन तक पहुंचा। अब कंपनी को उम्मीद है कि 2025 में यह संख्या 5.5 मिलियन और 2026 में 6.5 मिलियन तक पहुंच जाएगी। मार्च 2025 तक बीवायडी की कुल इलेक्ट्रिक व्हीकल बिक्री 11.6 मिलियन यूनिट्स को पार कर गई है। मार्च 2025 में कंपनी ने 72,723 यूनिट्स का निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 90प्रतिशत और फरवरी से 8.5प्रतिशत अधिक है। यह बीवायडी के इतिहास में सबसे अधिक मासिक निर्यात रहा। क्यू 1 2025 में कुल निर्यात 206,084 यूनिट्स रहा, जो साल-दर-साल 110.5प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

ओकिनावा ऑटोटेक के राजस्व में वित्तीय वर्ष 2024 में 87 प्रतिशत की भारी गिरावट

नई दिल्ली।

भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादक ओकिनावा ऑटोटेक ने वित्त वर्ष 2024 में अपने राजस्व में 87 प्रतिशत की भारी गिरावट की दर्जा की है। कंपनी के नवीनतम वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, ओकिनावा की कुल बिक्री वित्त वर्ष 2023 के 1,144 करोड़ रुपये से मात्र 182 करोड़ रुपये रह गई है। इसके साथ ही, कंपनी के परिचालन मार्जिन और आरओसीई में भी बड़ी गिरावट आई है, जिसमें ईबीआईटीडीए मार्जिन 25.8 प्रतिशत और आरओसीई 102 प्रतिशत तक गिर गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट की मुख्य कारणों में प्रतिस्पर्धा में वृद्धि और बदलते बाजार के अनुसार तालमेल की कमी शामिल है। कंपनी ने गिरावट के चलते अपने खर्चों में कटौती करने की कोशिश की है, जैसे कि खरीद लागत 80 प्रतिशत और कर्मचारी लागत 16 प्रतिशत घटकर रह गई है। हालांकि, कुल व्यय 251 करोड़ रुपये में भी एक गाढ़ा गिरावट आई है। ओकिनावा ऑटोटेक अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने और सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए पहले से अधिक दबाव का सामना कर रही है। विश्लेषकों का कहना है कि ईवी बाजार में यह संघर्ष आवश्यक है और कंपनियों को अपनी रणनीति में नए उत्पादों की लागत को कम करके लगातार उन्नति करने की आवश्यकता है।

अगले 12 महीने में 25,500 के स्तर को छू सकता निफ्टी

एफएमसीजी और डिफेंस सेक्टर करेंगे लीड

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच निफ्टी अगले 12 महीने में 25,521 के स्तर को छू सकता है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। वित्तीय सर्विसेज फर्म पीएल कैपिटल के मुताबिक, छोटी अवधि में हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, बैंकों, चुनिंदा एफएमसीजी, डिफेंस और पावर सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, नया अनुमान पहले के अनुमान से कम है, लेकिन विस्तार के सेक्टर द्वारा बौद्धिक विश्लेषण यह सुनिश्चित करता है कि आगे चुनौतियों और अवसरों की ओर सफल गति हो सकती है। इस बाजारी रिपोर्ट से अभिप्रेत है कि प्रमुख सेक्टरों का मजबूत और सपोर्ट करना अब अत्यंत जरुरी है। परिस्थितियों के साथ, अद्यतन रिपोर्ट का मानना है कि वैश्विक झटकों के माध्यम से बाजार उभरने में सफल रहेगा और मजबूती दर पर अचरद्ध रहेगी। तेज वृद्धि की स्थिति में, इंडेक्स 27,590 के पास पहुंच सकता है जबकि धीमी गति में, 24,831 तक हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक निफ्टी में हल्की गिरावट देखने की संभावना है जिसका कारण वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बढ़ना और ट्रेड वार की तनावपूर्ण स्थिति है। रिपोर्ट भविष्य में उम्मीद जताती है कि

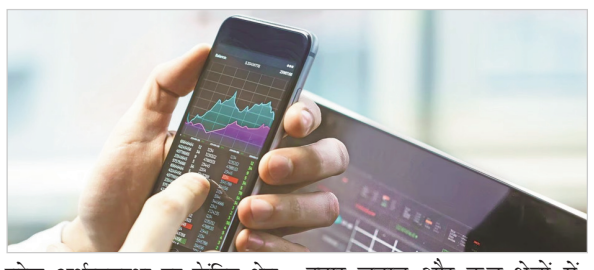

घरेलू अर्थव्यवस्था पर केंद्रित क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेगे जिसमें हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, चुनिंदा एफएमसीजी कंपनियां, बैंक, डिफेंस और पावर शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि की उम्मीद है जैसे आईटी, सीमेंट, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर बिजनेस। विपरीत प्रदर्शन की स्थिति में, वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कुछ क्षेत्रों में अल्पकालिक चुनौतियों की संभावना है। वैश्विक स्तर पर, भारत और यूएसए के बीच एक व्यापार समझौता वास्तविक हो सकता है जिसमें ऑटो, कंज्यूमर गुड्स, डिफेंस, तेल और गैस, शराब और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक डेवलपमेंट देखने की संभावना है।

वाहन शुल्क पर अस्थायी रोक लगा सकता है अमेरिका

ट्रंप ने 27 मार्च को वाहनों तथा उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह वाहन उद्योग पर लगाए गए शुल्क पर अस्थायी रोक लगाने पर विचार कर सकते हैं, ताकि कार विनिर्माताओं को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को समायोजित करने का समय मिल सके। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि मैं कुछ कार कंपनियों की मदद करने के बारे में सोच रहा हूं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने कहा कि वाहन विनिर्माताओं को कनाडा, मैक्सिको और अन्य स्थानों से उत्पादन स्थानांतरित करने के लिए समय की जरूरत है क्योंकि वे उनका विनिर्माण वहां करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए तो मैं ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहा हूं। फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलांटिस का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था अमेरिकन ऑटोमोटिव पॉलिसी काउंसिल के अध्यक्ष ने कहा कि समूह ट्रंप के घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य से सहमत है। इस बात को लेकर जागरूकता बढ़ रही है कि व्यापक शुल्क एक समृद्ध और बढ़ते अमेरिकी वाहन उद्योग के विनिर्माण के हमारे साझा लक्ष्य को कमजोर कर सकता है, इनमें से कई आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव में समय लगेगा। ट्रंप के बयान से शुल्क पर एक बार फिर से उलटफेर का संकेत मिलता है, क्योंकि उनके फैसले से वित्तीय बाजारों में घबराहट है और वॉल स्ट्रीट के अर्थशास्त्रियों में संभावित मंदी को लेकर गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 27 मार्च को वाहनों तथा उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी और इन्हें स्थायी करार दिया था।

हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी

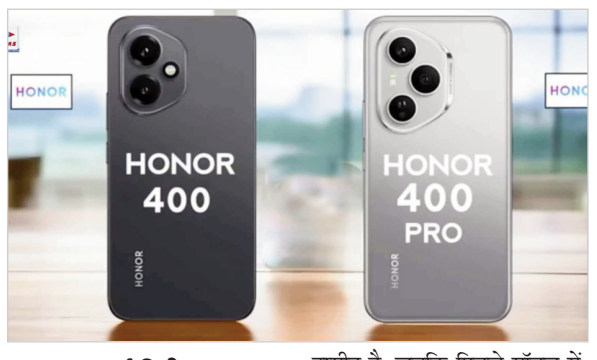

नई दिल्ली।

हॉनर कंपनी जल्द ही स्मार्टफोन हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में लीक हुए रेंडर्स से इन फोनों के डिजाइन और कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए हैं। हॉनर 400 के रेंडर्स से पता चलता है कि इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप होगा, जिसे एक सिंगल फ्रंट कैमरे के साथ जोड़ा गया है। कैमरा आइलैंड का डिजाइन पहले के मुकाबले अधिक गोल किनारों वाला है और फ्लैश मॉड्यूल को भी अब सर्कुलर आकार में दिखाया गया है। फोन के फ्रंट में चारों ओर समान मोटाई वाले बेजेल्स नजर आते हैं, जिससे इसकी प्रीमियम फिनिश का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। सबसे बड़ा बदलाव डिस्प्ले में देखने को मिल सकता है। हॉनर 400 प्रो में फ्लैट डिस्प्ले होने की उम्मीद है, जबकि पिछले मॉडल में कर्व्ड डिस्प्ले था। हालांकि यह सारी जानकारियां अनऑफिशियल स्रोतों से मिली हैं, इसलिए कंपनी की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार जरूरी है।

इससे पहले लॉन्च हुआ हॉनर 400 लाइट दमदार स्पेसिफिकेशन्स के साथ आया था, जिसमें 120 एचझेड अमोलेड डिस्प्ले, मीडियाटेक डायमेंसिटी 7025 चिपसेट, 108एमपी कैमरा और 5230 एमएच बैटरी जैसे फीचर्स शामिल हैं। हॉनर 400 प्रो मॉडल की बात करें तो इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें वर्टिकल फ्लैश मॉड्यूल भी शामिल है। रेंडर्स में इसके फ्रंट पर डुअल सेल्फी कैमरा दिखाया गया है। माना जा रहा है कि इसका मेन कैमरा 200 मेगापिक्सेल का होगा, जो कि पिछले मॉडल के 50 मेगापिक्सेल कैमरे से काफी बेहतर साबित हो सकता है।

कच्चा तेल 35 रुपये लीटर, पेट्रोल-डीजल होंगे सस्ते!

कच्चा तेल एक साल में 22 प्रतिशत से अधिक लुढ़का

नई दिल्ली।

भारत में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। वर्तमान में क्रूड ऑयल की कीमत 5561 रुपये प्रति बैरल तक आ गई है, यानी लगभग 35 रुपये प्रति लीटर की गिरावट आई है! लेकिन हैरानी की बात ये है कि देश के कई शहरों में पेट्रोल अब भी 100 रुपये से ऊपर और डीजल 90 रुपये के पार बिक रहा है। जब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमतें इतनी गिर गई हैं तो आम जनता को इसका फायदा क्यों नहीं मिल रहा?

जानकारों की मानें तो भारत अब कच्चा तेल 69.39 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीद रहा है, जबकि पिछले साल यही दर 89.44 डॉलर प्रति बैरल थी। यानी एक साल में कीमतों में 22 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की धीमी रफ्तार और टैरिफ वॉर के चलते आने वाले समय में कच्चा तेल और भी सस्ता हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिष्ठित फाइनेंशियल फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2025 के शेष महीनों में कच्चे तेल की कीमत घटकर 63 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकती है। वहीं खाड़ी देशों के संगठन ओपेक ने भी भविष्य की मांग को लेकर अपने अनुमान घटा दिए हैं। कुछ दिन पहले केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि तेल कंपनियों के पास करीब 45 दिन का स्टॉक है, जो उन्होंने लगभग 75 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीदा है।

लेकिन अगर क्रूड की मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती संभव है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रशंसक ने नीता अंबानी से रोहित को कप्तान बनाने मांग की

मुम्बई।

रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है। ऐसे में मुम्बई के प्रशंसक चाहते हैं कि एक बार फिर टीम की कप्तानी उन्हें दी जाये। आईपीएल के पिछले सत्र में रोहित की जगह पर हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया था जिससे प्रशंसकों में नाराजगी भी रही। वहीं अब एक प्रशंसक ने शिरड़ी मंदिर के बाहर टीम की मालिक नीता अंबानी से रोहित को फिर से कप्तान बनाने का अनुरोध किया। प्रशंसक ने नीता अंबानी से हाथ जोड़कर अनुरोध किया, रोहित को कप्तान बनाओ। इस पर अंबानी ने जवाब दिया, बाबा की मर्जी भगवान पर छोड़ दो। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। मुंबई इंडियंस की आईपीएल के इस सत्र में शुरुआत अच्छी नहीं रही ओर उसे केवल दो मैचों में ही जीत मिली है। टीम इस समय 4 अंक के साथ अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं रोहित का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है और उन्होंने 5 मैचों में 11.20 की औसत से केवल 56 रन बनाए हैं।

सलीमा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली।

मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी इंडिया इसी माह पांच मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया ने इस दौरे के लिए पांच नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। भारतीय टीम इस दौरे में 26 अप्रैल से चार मई तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में खेलेगी। इस दौरे से नये खिलाड़ियों को भी अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम भारत इस दौरे में पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से खेलेगी और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगी। सभी पांच मैच पर्थ स्टेडियम में ही खेले जाएंगे।

इस दौरे से टीम को जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए भी अवसर मिलेगा। इस बार टीम में पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार शामिल किया गया है। इस प्रकार टीम में अनुभवी और नए खिलाड़ी दोनो ही शामिल हैं। टीम की कप्तानी जहां सलीमा टेटे के पास रहेगी। वहीं अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर रहेंगी जबकि रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं। मध्य पंक्ति की कमान कप्तान टेटे, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी पर होगी। नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और

लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) तथा मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड) को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि इस दौर से टीम को अपनी कमजोरियों को जानकर उन्हें दूर करने का अवसर मिलेगा। साथ ही कहा कि हमने संतुलित टीम का चयन किया है जो अनुभव और युवा खिलाड़ियों से भरी हुई है। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और सीनियर शिविर में अपना कौशल दिखाया है।

सीएसके की जीत के बाद सूर्यकुमार ने धोनी और शिवम की तस्वीर जारी की

लखनऊ।

बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की लखनऊ सुपरजायंट्स पर जीत के बाद एक विडियो जारी किया है। इसमें सूर्या ने टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और शिवम दुबे की एक तस्वीर जारी की है। सीएसके की कप्तानी संभालते ही धोनी ने लखनऊ के खिलाफ एक बार फिर दिखाया कि वह सर्वश्रेष्ठ फिनिशर हैं। उन्होंने 11 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्के लगाये। इस दौरान शिवम ने उनका अच्छा साथ दिया और 37 गेंदों में नाबाद 43 रन बनाये। इस मैच में चेन्नई को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य मिला था। धोनी जब बल्लेबाजी के लिए आए तब सीएसके का स्कोर 111 रन पर 5 विकेट था। और उसे जीत के लिए 30 गेंदों पर 56 रन और बनाने थे। ऐसे में धोनी ने आते ही तेजी से खेलकर सीएसके को जीत की दौड़ में बनाये रखा। वहीं शिवम दुबे पहले से ही खेल रहे थे पर धोनी ने शिवम पर दबाव बनने नहीं दिया और 236 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर सीएसके

को जीत दिला दी। इसी चीज को लेकर सूर्यकुमार ने शिवम दुबे के मजे लिए हैं।सूर्यकुमार ने चेन्नई की पारी के दौरान धोनी और शिवम के बीच बातचीत के समय की एक तस्वीर को सोशल मीडिया में पेश किया है। उस पर उन्होंने लिखा है कि धोनी शिवम से कहते हैं कि मुझे बस रन आउट मत कराना, बाकी तो मैं देख लूंगा।

धोनी ने क्यूरेटर से अच्छी पिच बनाने कहा

बल्लेबाजों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी

लखनऊ।

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स पर जीत के बाद कहा है कि बल्लेबाजों को अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभानी होगी। सीएसके को पांच मेचों में हार के बाद जीत मिली है। उसे इस सत्र में अपने चेन्नई के चेपॉक मैदान में भी हार मिली थी। इसी को देखते हुए अब धोनी ने चेपॉक के क्यूरेटर से अच्छी पिच तैयार करने को कहा है। जिससे उनके बल्लेबाज ठीक से शॉट खेल पायें। धोनी ने कहा कि घरेलू पिच में समस्या है। इसका पता इससे चलता है कि लखनऊ के मैदान पर टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। धोनी ने कहा, 'एक कारण यह हो सकता है कि चेन्नई का विकेट थोड़ा धीमा है। वहीं इस बार जब हम घरेलू मैदान से बाहर खेले हैं, तो हमारे बल्लेबाजों ने थोड़ा अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में हमें ऐसे विकेटों पर खेलने की जरूरत है जो थोड़े बेहतर हों। इससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने का भरोसा मिलेगा ओर वे निडर होकर खेल सकेंगे। धोनी ने माना है कि उनके बल्लेबाजों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां बेहतर तरीके से निभानी होंगी। उन्होंने कहा, 'जीतकर अच्छा लग रहा है। हम पिछले मैच नहीं जीत सके लेकिन इस जीत से सबका मनोबल बढ़ा है। यह कठिन मैच था और जीतने की खुशी है। उम्मीद है कि इससे टीम की लय बनेगी। धोनी ने कहा, 'पिछले मैचों में हम गेंदबाजी करते समय पहले छह ओवर में परेशान थे पर टीम ने बीच के ओवरों में वापसी की हालांकि हमें बल्लेबाजी के दौरान अच्छी शुरुआत नहीं मिल पायी।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला आज

नई दिल्ली।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली इस सत्र में अब तक एक ही मैच हारी है। पिछले मैच में उसे अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुम्बई इंडियंस से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब घरेल मैदान पर होने वाले इस मैच में कैपिटल्स जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे वह राजस्थान पर भारी पड़ेगी। पिछले मैच में टीम की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और युवा विपराज निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह इस सत्र में भी बनाये रखना चाहेंगे। अक्षर पिछले मैच में विकेट नहीं ले ये थे और वह ये कमी इस मैच में पूरी करना चाहेंगे। इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी विफल रहे थे। युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क लय को भी अगर बने रहना तो रन बनाने होंगे। अब तक वह 50 रन भी नहीं बना पाये हैं। पिछले मैच में करुण नायर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर 82 न बनाये थे। अब इस मैच में भी उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मध्यक्रम में केएल राहुल ,ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा पिछले मैच में विफल रहे थे पर इस मैच में इनको रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन

की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की राह आसन नहीं है। वह छह में से केवल दो मैच ही जीती है, इससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इस प्रकार वह आठवें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। यशस्वी जायसवाल केवल एक मैच में ही अर्धशतक बना पाये हैं। कप्तान सैमसन और रियान पराग व ध्रुव जुरेल भी बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। संदीप शर्मा के अलावा कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है।

संक्षिप्त समाचार

धोनी से बात करते दिखे गोयनका

लखनऊ।

यहां लखनऊ सुपर जॉइंट्स और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बीच हुए मैच के बाद सुपर जॉइंट्स के मालिक संजीव गोयनका सीएसके टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से बात करते हुए दिखे। धोनी ने इस मैच में अच्छी बल्लेबाज करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी। गोयनका को धोनी से बात करते हुए देखकर सभी हैरान हो गये क्योंकि एक समय उन्होंने धोनी को अपनी राइजिंग पुणे सुपर जॉइंट्स टीम से हटा दिया था। इस बार दोनों की मुलाकात और बातचीत की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किये जा रहे हैं। इस दौरान लखनऊ सुपर जॉइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत भी वहां मौजूद थे।राइजिंग पुणे सुपर जॉइंट्स टीम सिर्फ दो सत्र ही खेली और भंग हो गई। 2016 के आईपीएल में पहली बार यह टीम दिखी थी जिसके कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। वहीं 2017 के सीजन से पहले ही गोयनका ने अचानक ही धोनी को टीम और उसकी कप्तानी से बाहर कर दिया था। वहीं अगर बात सुपर जॉइंट्स से मैच की करें तो धोनी ने इस मैच में एक बार फिर दिखाया है वह फिनिशिर के तौर पर अब भी बेहतरीन हैं। धोनी ने इस मैच में तेजी से 26 रन बनाये थे। उन्हें नियमित कप्तान रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के कारण कप्तान बनाया गया था।

टिम डेविड ने गायब किया विराट का बल्ला

नई दिल्ली।फिल साल्ट और विराट कोहली के अर्धशतकों की सहायता से आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत दर्ज की है। इसके बाद से ही आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में खुशी माहौल है। इसी दौरान नए खिलाड़ी टिम डेविड ने हंसी मजाक में ही कोहली का एक बल्ला गायब कर दिया। इसके बाद का एक वीडियो आया है। इसमें टिम ने कहा, ‘मैं देखना चाहता हूं कि विराट को यह पता होने में कितना समय लगेगा कि हमने उनका एक बल्ला गायब किया है।' बाद में कोहली को पता चला कि उनका एक बल्ला नहीं है और उन्होंने कहा, 'मैंने कल अपने बल्ले गिने थे। ये सात थे अब ये छह ही बचे हैं।' तभी उन्हें चला कि वह बल्ला टीम ने निकाल लिया था। जब कोहली ने देखा कि बल्ला उनका ही था, तो उनके चेहरे पर हंसी आ गयी। टिम ने कहा, 'विराट इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे कि हमने सोचा कि देखते हैं उन्हें यह पला चलने में कितना समय लगेगा कि उनका एक बल्ला जगह पर नहीं है। उन्हें पता नहीं चला। वह मैच को लेकर बहुत खुश थे, इसलिए, मैंने उन्हें वापस दे दिया जबकि उन्हें लगा कि मैं इसे चुराने की कोशिश कर रहा हूं, पर मैं ऐसा नहीं कर रहा था।' विराट ने अब तक इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह पारियों में 143.35 की स्ट्राइक-रेट से 248 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाये हैं।

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

लखनऊ।

लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेल मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों -शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहै हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं। इस मैच में ऋषभ ने 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी पर उनका मानना है कि टीम ने 10-15 रन कम बनाए थे जिससे नुकसान हुआ। लखनऊ के कप्तान ने कहा, ÷हमने 10 से 15 रन कम बनाये जबकि हमें साझेदारी बनाये रखनी थी। अगर हम 10 से 15 रन बनाने तो हालात अलग होते। मैं हर मैच के साथ बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन कभी-कभी यह काम नहीं आता। धीरे-धीरे अपनी लय में आ रहा हूं, एक बार में हर मैच पर ध्यान दे रहा हूं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने

कप्तान ऋषभ पंत के 63 रनों की सहायता से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 166 रन बोर्ड पर लगाए। वहीं सीएसके के लिए मथीक्षा पथिराना और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट चटकाए। 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम की शुरुआत अच्छी रही थी पर उसने किस प्रकार से जीत हासिल कर ली।

धोनी ने बताया पिछले मैचों में सीएसके की हार का कारण

लखनऊ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांच मैच में मिली हार के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत मिली है। इस मैच में जीत के बाद कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके किन कारणों से पिछले मैचों में हारी थी। लखनऊ ने इस मैच में सीएसके को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे सीएसके ने 20 वें ओवर में हासिल कर लिया। इस सत्र की शुरुआत में सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ के पास थी पर वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गये। इसके बाद एक बार फिर धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी है। धोनी ने मैच के बाद कहा, ÷अगर आप पिछले मैचों को देखें तो पावरप्ले हो या वह टीम संयोजन हो या हालत में हम गेंद से संघर्ष कर रहे थे। इसी कारण हम बल्लेबाजी इकाई के रूप में वह शुरुआत नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। साथ ही विकेटों का गिरना भी लगातार जारी था। हम कुछ हद तक गलत समय पर विकेट गंवाते रहे। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हमारा घरेल विकेट थोड़ा धीमा हो। वहीं इस बार हम घर से बाहर खेल रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी इकाई ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। शायद हमें ऐसे विकेट पर खेलने की जरूरत है जो अधिक बेहतर हों जिससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में आसानी हो। आप डर कर नहीं खेल सकते'उन्होंने आगे कहा, 'तब हम अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और वह बेहतर गेंदबाजी करने लगे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में, हम बेहतर कर सकते हैं। अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, और आप ऐसे खिलाड़ी हैं जो पारी के अंत तक खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं। मुझे लगता है कि शेख रशीद ने आज अच्छी बल्लेबाजी की। वह काफी साल से हमारे साथ है। इस साल वह नेट्स में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। यह तो बस शुरुआत है।

जम्पा चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हुए

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। जम्पा के कंधे में खिंचाव आया है। इसी कारण राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मैच में उन्हें गेंदबाजी के दौरान परेशानी आई। इसके बाद वह स्वदेश लौट गये हैं। जम्पा ने इस टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेलते हुए 48 और 46 रन देकर एक-एक विकेट लिया था। जंपा जैसे अनुभवी स्पिनर का बाहर होना खिलाड़ियों के खराब फार्म से जूझ रही सनराइजर्स के लिए भी करारा झटका है। पहले माना जा रहा था कि जम्पा थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापसी करेंगे पर अब इसकी संभावना समाप्त हो गये है क्योंकि सनराइजर्स ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल कर लिया है। जम्पा अब अगले कुछ माह नहीं खेल पायेंगे। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है।

पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बड़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है।

गावस्कर ने कहा,''कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।'' गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं।

उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।''

गावस्कर ने कहा, '' कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैंहै। उनका मार्गदर्शन करते है और उन्हें जरुरी सलाह देते हैं। । पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। '' साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहले के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, ''कोहली इस बार शुरू से ही लंबे शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं जबकि पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलते थे।

इससे भी टीम के आक्रामक इरादों का अंदाज होता है। ''

वहीं गावस्कर ने कहा कि खराब फार्म से जूझ रहे मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपने शॉट चयन पर ध्यान दें।

उन्होंने कहा,''जब वह पावर प्ले में आउट हो जाता है, तो दुख होता है। फिर चाहे वह मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहा हो या भारत के लिए। ''

कप्तान के बचाव में आये बिश्नोई

लखनऊ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपनी टीम के कप्तान ऋषभ पंत का बचाव किया है। इससे पहले चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अंतिम ओवरों में बिश्नोई को गेंदबाजी नहीं दिये जाने के लिए ऋषभ की आलोचना हुई थी। इसी को लेकर बिश्नोई ने कहा कि कि अंतिम ओवरों में कप्तान के दिमाग में कुछ खास योजनाएं थीं। सीएसके को जब 30 गेंद पर 56 रन की जरूरत थी और धोनी व शिवम दुबे खेल रहे थे तब ऋषभ ने स्पिनर की जगह पर तेज गेंदबाजों को अवसर दिया पर ये प्रयोग विफल रहा। धोनी ने 11 गेंद पर 26 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा, 'मेरी वास्तव में इसको लेकर कप्तान से कोई बात नहीं हुई। मैं दो बार विकेट पर आया पर शायद उनके दिमाग में कुछ और योजनाएं थी। शायद उनका नजरिया कुछ और था।' उन्होंने कहा, 'एक कप्तान हालातों का बेहतर आंकलन कर सकता है तथा विकेट के पीछे खड़े होने के कारण वह चीजों को अच्छी तरह से समझ सकता है। इसलिए मेरा मानना है कि उन्होंने वही फैसला किया जो उन्हें बेहतर लगा।' बिश्नोई ने कहा, ' मेरा चौथा ओवर करवाने को लेकर उनसे कोई बात नहीं हुई। उनका नजरिया स्पष्ट था कि वह क्या करना चाहते हैं। इस तरह की कठिन स्थितियों में यही बेहतर होता है कि कप्तान अपनी सोच के साथ आगे बढ़े जिससे वह बेहतर फैसला कर सके।' चेन्नई सुपर किंग्स के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोट के कारण बाहर हो जाने से धोनी ने फिर से चेन्नई की कमान संभाली है और टीम के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने कहा कि उनका प्रभाव पूरी टीम पर नजर आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चाइल्ड काउंसलर बनकर संवारें अपना भविष्य

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आज के तनावपूर्ण जीवन में सिर्फ बड़े ही नहीं, बल्कि बच्चे भी कई तरह की परेशानियों जैसे माता-पिता व अन्य लोगों से रिश्ते, एग्जाम प्रेशर व पीयर प्रेशर आदि से दो-चार होते हैं। यहां सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह अपनी परेशानी किसी से शेयर नहीं करते और कई बार तो अपनी परेशानियों को मन में ही रखने के कारण वह अवसादग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में उनकी परेशानियों को समझकर उन्हें अंधेरे से निकालकर उजाले में लाने का काम करते है चाइल्ड काउंसलर। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर व्यक्ति को दूसरों की सहायता करके एक अजीब सी संतुष्टि का अनुभव होता है।

क्या होता है काम

एक चाइल्ड काउंसलर बच्चों के व्यवहार और भावनात्मक मुद्दों पर उनकी सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही वह बच्चों के डेवलपमेंट मुद्दों जैसे चिंता, नींद, पर्सनैलिटी डिसआर्डर व ईटिंग डिसआर्डर को भी दूर करते हैं। उनका मुख्य काम पहले बच्चों के साथ एक रिश्ता विकसित करना होता है ताकि वह अपने मन की उन बातों को भी साझा करें, जिसे वह किसी से भी नहीं कह पाते। इसके बाद वह उनकी बातों को सुनकर व उसके हाव-भावों के जरिए उसके मन की परेशानी को गहराई से समझते हैं। वह न सिर्फ बच्चों को काउंसिल करता है, बल्कि समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पैरेंट्स को भी काउंसिल करते हैं। जिससे माता-पिता बच्चों के मन की बात समझकर उनके लिए सपोर्ट सिस्टम बन सकें।

स्किल्स

जो लोग एक सफल चाइल्ड काउंसलर बनना चाहते हैं, उनमें कम्युनिकेशन स्किल्स व इंटरपर्सनल स्किल्स काफी अच्छे होने चाहिए। इसके अतिरिक्त उसमें बच्चे को आसानी से सहज करने व बेहतरीन तालमेल बिठाने की भी क्षमता होनी चाहिए। अगर आप सच में एक बेहतरीन चाइल्ड काउंसलर बनने की इच्छा रखते हैं तो आपको तटस्थ व निष्पक्ष होकर बच्चे की बातों को सुनना व समझना चाहिए। अधिकतर बच्चे अपने दोस्तों या माता-पिता को महज इसलिए अपनी बात नहीं बताते क्योंकि उन्हें लगता है कि वह उनकी बात नहीं समझेंगे या फिर उन्हें गलत समझेंगे। ऐसा अनुभव उन्हें चाइल्ड काउंसलर की बातों से नहीं होना चाहिए। आपके भीतर यह क्षमता होनी चाहिए कि आप बच्चों को यह विश्वास दिला सके कि आप उनकी बातों को सुनेंगे, जज नहीं करेंगे।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए 12वीं के बाद साइकोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद आप साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री या पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस व काउंसिलिंग कर सकते है। इसके बाद एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है।

संभावनाएं

एक चाइल्ड काउंसलर के पास संभावनाओं की कमी नहीं है। वह स्कूल से लेकर हॉस्पिटल्स तक में काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एनजीओ व बच्चों के लिए काम कर रही संस्थाओं में उनकी आवश्यकता होती है। वहीं आप स्पेशल स्कूल्स या बाल सुधार गृह में भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। वहीं आप खुद का सेंटर भी खोलकर काम कर सकते हैं।

आमदनी

अगर वेतन की बात की जाए तो इसमें सैलरी से अधिक मानसिक संतुष्टि को महत्व दिया जाता है। वहीं एक स्कूल में नियुक्त काउंसलर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। वहीं एक अनुभवी चाइल्ड काउंसलर की सैलरी एक बड़े स्कूल में 25000 से 30000 तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त अगर आप किसी प्रतिष्ठित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम कर रहे हैं तो आपकी सैलरी 30000 या उससे अधिक हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- पंजाब यूनिवर्सिटी, पंजाब
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ काउंसिलिंग, नई दिल्ली

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी के अवसर और स्कोप

नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है।

नैनोटेक्नोलॉजी क्या होती है?

नैनोटेक्नोलॉजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी का वह फील्ड है जिसमें नैनोकणों और सामग्रियों को विकसित किया जाता है, जिनका आकार नैनोमीटर की सीमा के भीतर होता है। नैनोटेक्नोलॉजी एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो लगभग हर तकनीकी अनुशासन - रसायन विज्ञान से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक - अत्यंत सूक्ष्म सामग्रियों के अध्ययन और अनुप्रयोग में संलग्न है। यह अकादमिक और शोध से संबंधित शीर्ष रैंक वाले विषयों में से एक है। नैनोटेक्नोलॉजी टेक्नोलॉजी की एक ब्रांच होती है। यह अत्यंत छोटी चीजों के अध्ययन से संबंधित है और इसका उपयोग अन्य सभी विज्ञान क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग में किया जा सकता है। यह हमारे जीवन में क्रांति लाने और कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और चिकित्सा में हमारी समस्याओं के तकनीकी समाधान प्रदान करने की विशाल क्षमता के साथ अनुसंधान के क्षेत्र का तेजी से विस्तार कर रहा है।

मास्टर पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में एमएससी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमएससी
- नैनोटेक्नोलॉजी में एमटेक
- सामग्री विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी में एमटेक
- नैनो प्रौद्योगिकी और नैनो सामग्री में एमटेक

डॉक्टरेट पाठ्यक्रम

- नैनोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

नैनोटेक्नोलॉजी डिग्री क्या है?

यह भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और आणविक जीव विज्ञान के साथ एक बहु-विषयक प्राकृतिक विज्ञान पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम और पात्रता

नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा स्नातकोत्तर स्तर और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। भारत में कोई भी संस्थान नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान नहीं करता है। मैटेरियल साइंस, मैकेनिकल, बायोमेडिकल, केमिकल, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में बीटेक डिग्री या भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी रखने वाले उम्मीदवार नैनो टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। नैनोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीवन विज्ञान में बीएससी या सामग्री विज्ञान / यांत्रिक / जैव चिकित्सा / रसायन / जैव प्रौद्योगिकी / इलेक्ट्रॉनिक्स / कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक उत्तीर्ण होना चाहिए।

पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को मैकेनिकल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एमटेक या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैटेरियल साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस आदि में एम.एससी पास होना चाहिए। उम्मीदवार 5 साल की अवधि के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (डुअल डिग्री) में बीटेक + एमटेक भी चुन सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी का स्कोप क्या है?

आने वाली पीढ़ियों में इसका बहुत बड़ा स्कोप है। आईटी और इंटरनेट की तुलना में यह तीसरा सबसे अधिक फलता-फूलता क्षेत्र है। भारत में बैंगलोर और चेन्नई आईटी और मेडिसिन के विनिर्माण केंद्र हैं। भारत सरकार ने पहले ही नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग जैसी विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को शुरू कर दिया है।

नैनोटेक्नोलॉजी के लिए करियर विकल्प क्या हैं?

नैनोटेक्नोलॉजी में विशेषज्ञ या वैज्ञानिकके के रूप में नौकरी मिल सकती है। जिन क्षेत्रों में नैनोटेक्नोलॉजिस्ट रोजगार की तलाश कर सकते हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी, कृषि, भोजन, आनुवंशिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान आदि में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। पीएचडी वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों या अनुसंधान क्षेत्रों में संकाय सदस्यों के रूप में भी शामिल हो सकते हैं।

नैनोटेक्नोलॉजी में जॉब रोल्स क्या हैं?

- नैनोटेक्नोलॉजिस्ट
- वैज्ञानिक
- शोधकर्ता
- प्रोफेसर
- खाद्य वैज्ञानिक
- इंजीनियर चिकित्सा वैज्ञानिक

उद्योग / कंपनियां / जो इन पेशेवरों को नियुक्त करते हैं :

- इलेक्ट्रॉनिक्स / सेमीकंडक्टर उद्योग
- विनिर्माण उदयोग
- जैव प्रौद्योगिकी
- दवाइयों
- चिकित्सा क्षेत्र
- पर्यावरण
- विश्वविद्यालयों
- उत्पाद आधारित कंपनियां (खाद्य)
- अनुसंधान प्रयोगशाला

वेतन

फ्रेशर के लिए लगभग 20,000/- से 30,000 रुपये प्रति माह और अनुभवी उम्मीदवारों के लिए 1 लाख रुपये प्रति माह के वेतन की उम्मीद की जा सकती है।

नैनोटेक्नोलॉजी ऑफर करने वाले भारत के शीर्ष कॉलेज :

- भौतिकी विभाग, आईआईएससी, बैंगलोर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्कूल, एनआईटी, कालीकट
- एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो-टेक्नोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस सेक्रेटरी से मैनेजर तक

सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस कोर्स करके आप महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे अधिकारियों के पर्सनल सेक्रेटरी बनने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अनेक शॉर्ट टर्म और डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं।

वैश्वीकरण के बाद जिस तेजी से ऑफिस की कार्यप्रणाली और स्वरूप बदला है, ऑफिस सेकेट्ररी और पर्सनल सेक्रेटरी की भूमिका भी अहम होती जा रही है। सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और पर्सनल सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस कोर्स में दाखिला लेकर आप ऑफिस सेकेट्ररी या पर्सनल सेकेट्ररी बन कर एक अच्छा करियर बना सकते हैं। ऑफिस सेकेट्ररी किसी ऑफिस में प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाता है। महत्त्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के पर्सनल सेक्रेटरी बन कर आप उनके डेली रूटीन तथा ऑफिस शड्यूल को मैनेज करते हैं। देश के विभिन्न विश्वविद्यालय और प्राइवेट संस्थान सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस या ऑफिस मैनेजमेंट और सेकेट्रेरियल प्रैक्टिस में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

योग्यता तथा पढ़ाई

शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रवेश लेने के लिए दसवीं तथा कुछ संस्थानों के लिए बारहवीं पास होना आवश्यक है। इस क्षेत्र में आगे की पढ़ाई मसलन डिग्री तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य योग्यता है। इन कोर्सों के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल का होना अतिआवश्यक है। इन कोर्सों का मुख्य उद्देश्य छात्र को सेक्रेटरी के उत्तरदायित्वों को समझाना, सेक्रेटेरियल कार्यों के लिए गुणों का विकास करना, संगठन या ऑफिस की कार्यप्रणाली को समझाना तथा कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स आदि ऑफिस में प्रयोग होने वाले उपकरणों को ऑपरेट करना सिखाया जाता है। शॉर्ट टर्म कोर्स में शॉर्ट हैंड, टाइपराइटिंग, कंप्यूटर बेसिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन तथा पर्सनेलिटी डेवलपमेंट विषय पढ़ाए जाते हैं। लेकिन डिप्लोमा तथा डिग्री कोर्सो में इन विषयों के अलावा मैनेजमेंट, अकाउंट, कंपनी लॉ और बैंकिंग सर्विसेज विषयों के बारे में जानकारी दी जाती है।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद सरकारी तथा प्राइवेट क्षेत्रों में सभी तरह के दफ्तरों में सेक्रेटरी की जॉब मिलती है। लेकिन हाल में मल्टीनेशनल, पब्लिक सेक्टर कंपनियों तथा होटल्स में स्किल्ड सेकेट्ररी और ऑफिस सेकेट्ररी के जॉब की अपार संभावनाएं हैं। बैंकों, वित्तीय संस्थानों, लॉजिस्टिक फर्म तथा ट्रैवल एजेंसी में भी सेक्रेटरी के रूप में जॉब कर सकते हैं। अपनी योग्यता तथा अनुभव से आप सेक्रेटरी से जॉब शुरू करके ऑफिस मैनेजर बन सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक में जाति जनगणना रिपोर्ट लीक, सरकार आंतरिक दबाव में

वोक्कालिगा और लिंगायत के विधायकों ने आंकड़ों पर जताई आपत्ति

बेंगलुरु।

कर्नाटक सरकार जातिगत जनगणना रिपोर्ट के लीक होने के बाद आंतरिक दबाव का सामना कर रही है। वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के विधायकों और नेताओं ने रिपोर्ट के आंकड़ों पर कड़ा विरोध जताया है। गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक से पहले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखने वाले कांग्रेस विधायकों की एक विशेष बैठक मंगलवार को बुलाई है। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने रिपोर्ट अभी नहीं देखी है, उसका अध्ययन किया जा रहा है। मंगलवार को हमारी पार्टी के समुदाय विशेष के विधायकों के साथ बैठक होगी। हम इस विषय पर चर्चा करेंगे और ऐसा सुझाव देंगे जिससे किसी की भावनाएं आहत न हों और सभी का सम्मान बना रहे। रिपोर्ट के मुताबिक लिंगायत समुदाय से आने वाले वन मंत्री ईश्वर खंडरे ने कहा कि वह कई समुदायों के नेताओं की राय एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह भी रिपोर्ट का अध्ययन कर रहे हैं और कैबिनेट बैठक की तैयारी कर रहे हैं। सीएम सिद्धारमैया ने इस पूरे मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है और सिर्फ इतना कहा है कि इस पर विशेष कैबिनेट बैठक होगी। बता दें कि जातिगत जनगणना रिपोर्ट 10 अप्रैल को कैबिनेट को सौंपी गई थी, लेकिन इसे आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं किया गया। लीक हुई रिपोर्ट के मुताबिक वोक्कालिगा समुदाय की आबादी 61.6 लाख है और उनके लिए 7 फीसदी आरक्षण की सिफारिश की गई है। लिंगायत समुदाय की आबादी 66.3 लाख बताई है और 8 फीसदी आरक्षण प्रस्तावित है। हालांकि लिंगायतों के अंदर उप-समुदायों जैसे वीरशैव 10.4 लाख, पंचमसाली 10.7 लाख आदि के बीच विभाजन के कारण प्रतिनिधित्व को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट में मुस्लिम आबादी 75.2 लाख बताई है और उनके लिए आरक्षण को 4 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह संख्या वोक्कालिगा समुदाय से ज्यादा है, जिन्हें अब तक राज्य में दूसरा सबसे बड़ा समूह माना जाता रहा है। वोक्कालिगा समुदाय के संतों और नेताओं ने खुलकर रिपोर्ट का विरोध किया है। वहीं, ऑल इंडिया वीरशैव लिंगायत महासभा ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया और एक नई जनगणना कराने की मांग की है। महासभा के अध्यक्ष और पूर्व डीजीपी शंकर बिदारी ने दावा किया कि लिंगायत समुदाय की जनसंख्या करीब 35 फीसदी है, क्योंकि राज्य के 31 में से करीब 15 जिलों में लिंगायतों की संख्या 10 लाख से ज्यादा है। सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना, जो अनुसूचित जनजाति समुदाय से हैं उन्होंने धार्मिक संगठनों की आलोचना पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये स्वामीजी और संगठन आंकड़े कहां से लाते हैं? गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में सिर्फ जातिगत जनगणना रिपोर्ट पर चर्चा होगी। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि केवल इस विषय पर ही चर्चा करें। अभी तो यह शुरुआत है, उसके बाद ही स्वीकृति व अन्य मुद्दे सामने आएंगे। आलोचना पर उन्होंने कहा कि मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। अलग-अलग राय आएंगी। बीजेपी से निष्कासित विधायक और विजयपुरा से विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर

मुस्लिम समुदाय सबसे बड़ा है, तो उन्हें अल्पसंख्यक दर्जा क्यों दिया जाए? उन्होंने कहा कि अगर इस रिपोर्ट को स्वीकार किया जाता है, तो ब्राह्मणों को भी, जो कि केवल 2 फीसदी हैं, अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा मिलना चाहिए। यतनाल ने आरोप लगाया कि लिंगायतों की संख्या को जानबूझकर उप-समुदायों में बांटकर कम करके दिखाया गया है। अब सभी की नजरें गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक पर टिकी हैं, जहां इस रिपोर्ट को लेकर सरकार का अगला कदम तय होगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया

चेन्नई।

तमिलनाडु में राज्यपाल से तनातनी के बीच तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य को स्वायत्त बनाने का प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद हुए 75 साल पूरे हो चुके हैं। हमारे देश में अलग-अलग भाषा, जाति और संस्कृति के लोग रहते हैं। हम सब मिलजुलकर रहते हैं। डॉ. आंबेडकर ने राजनीति और प्रशासन की प्रणाली को इस तरह बनाया कि सभी के हितों की रक्षा हो सके। स्टालिन ने कहा कि एक-एक कर राज्यों के अधिकार छीने जा रहे हैं। वहीं राज्य के लोग अपने मौलिक अधिकारों के लिए केंद्र से लड़ रहे हैं। हम किसी तरह अपने भाषा अधिकार की रक्षा कर रहे हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर योगी, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते

वोट के खातिर दंगाइयों को ममता शांतिदूत कह रही

हरदोई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर ममता सरकार पर निशाना साधा। मंगलवार को अमर सेनानी राजा नरपति सिंह के विजय दिवस पर आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने कहा कि ममता बनर्जी दंगाइयों को शांतिदूत कहती है। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि जिस किसी को बांग्लादेश पसंद हो, वे बांग्लादेश चला जाए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, दंगाइयों का उपचार डंडा ही है, क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। सीएम योगी ने कहा, पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है। अगर कुछ लोग बांग्लादेश का समर्थन करते हैं, तब उन्हें वहीं जाना चाहिए था। पूरा बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री हाथ पैर हाथ धरे बैठी हैं। सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद देना चाहूंगा, जिनके हस्तक्षेप पर केंद्रीय बलों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली है। योगी ने कहा कि माफिया से जो जमीन खाली होगी, उस पर हॉस्पिटल बनाए जाएंगे।

सपा विधायक का विवादित बयान, देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए, वे मर जाते

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के विधायक इंद्रजीत सरोज ने अपने पुराने बयान का बचाव किया जिसमें सपा विधायक ने मुहम्मद गौरी जैसे ऐतिहासिक आक्रमणों के दौरान भारतीय देवी-देवताओं की भूमिका पर सवाल खड़े किए थे। अब विधायक सरोज ने कहा कि देवी-देवताओं को आक्रमणकारियों को श्राप देकर राख में बदल देना चाहिए था। सपा विधायक ने कहा कि हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं थे। 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम अरब से देश में आया और देश को लूटा। गौरी इस देश को लूटने आया था। तब इस देश के देवी-देवताओं ने क्या किया? विधायक सरोज ने कहा कि देवी-देवताओं को मुसलमानों को श्राप देना चाहिए था। वे राख हो जाते, मर जाते और अंधे हो जाते। इसका मतलब है कि कुछ कमी है और हमारे देवी-देवता इतने शक्तिशाली नहीं हैं। सपा विधायक सरोज ने कहा था कि अगर भारत के मंदिरों में शक्ति होती, तब कासिम, महमूद गजनवी और मोहम्मद गौरी जैसे आक्रमणकारी देश में नहीं आते।

दिल्ली एयरपोर्ट पर घरेलू उड़ानों के संचालन में हुआ फेरबदल, टर्मिनल-1 से उड़ेंगी इंडिगो और अकासा की फ्लाइट्स

नई दिल्ली।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, दिल्ली से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक अहम सूचना है। 15 अप्रैल से इंडिगो और अकासा एयर की सभी घरेलू उड़ानों का संचालन अब टर्मिनल-1 (टी1) से किया जाएगा। अब तक दोनों एयरलाइंस टर्मिनल-2 (टी2) से उड़ान भर रही थीं। यह बदलाव टर्मिनल-2 को निर्माण कार्य के लिए अस्थायी रूप से बंद किए जाने के चलते किया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपना पीएनआर नंबर वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए जांच लें, जिससे वे सही टर्मिनल पर समय पर पहुंच सकें।

एयरलाइंस की ओर से यात्रियों को अलर्ट

इंडिगो और अकासा दोनों ने यात्रियों को बदलाव की सूचना एसएमएस, कॉल और ईमेल के माध्यम से देना शुरू कर दिया है। अकासा एयर ने सोशल मीडिया के जरिए यह भी जानकारी दी है कि अब उसकी सभी उड़ानें टर्मिनल-1डी से संचालित होंगी। एयरलाइनों का कहना है कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए ग्राउंड स्टाफ और सूचना व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

आज मुंबई बाबा साहेब की वजह से ही महाराष्ट्र का हिस्सा है: राज ठाकरे

संविधान निर्माता डॉ आंबेडकर ने एकीकृत महाराष्ट्र के संघर्ष का किया था समर्थन

मुंबई।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) चीफ राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के निर्माण में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की बड़ी भूमिका है। मुंबई को लेकर बाबा साहेब ने साफ लहजे में कह दिया था कि अन्य भाषा बोलने वालों के आने की वजह से मुंबई को महाराष्ट्र से अलग नहीं रखा जा सकता। मुंबई मराठी भाषियों की है और यह महाराष्ट्र में ही रहनी चाहिए। राज ठाकरे ने सोमवार को महाराष्ट्र के निर्माण में भारत रत्न डॉ आंबेडकर के योगदान को याद किया और बताया कि कैसे मुंबई में उनका निवास संयुक्त महाराष्ट्र समिति का बैठक केंद्र बन गया। डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर एक पोस्ट में ठाकरे ने कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि कैसे बाबा साहेब उस समय एकीकृत महाराष्ट्र के संघर्ष का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि संयुक्त महाराष्ट्र के संघर्ष के शुरुआती दौर में, कॉमरेड डांगे, एस एम जोशी, आचार्य अत्रे और संयुक्त महाराष्ट्र समिति के अन्य नेताओं ने दिल्ली में डॉ आंबेडकर से उनके निवास पर मुलाकात की थी और संघर्ष में उनका और उनके अनुयायियों की मदद मांगी थी। राज ठाकरे ने कहा कि उस समय बाबासाहेब ने यह भी कहा था कि मेरा अनुसूचित जाति महासंघ जिब्राल्टर की चट्टान की तरह संयुक्त महाराष्ट्र समिति के साथ खड़ा रहेगा। मनसे प्रमुख ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वह यहीं नहीं रुके। मुंबई में उनका निवास 'राजगृह' संयुक्त महाराष्ट्र समिति की बैठकों का केंद्र बन गया। ठाकरे ने कहा कि उनके दादा प्रबोधनकार ठाकरे भी इन बैठकों में मौजूद रहते थे। आंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1948 को धर कमीशन के सामने उन्होंने मराठी भाषियों के लिए अलग राज्य का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई महाराष्ट्र का ही हिस्सा है। जब कहा गया कि हिंदू और मुस्लिमों की मूल पहचान इसलिए नहीं मिटाई जा सकी क्योंकि मुस्लिम आक्रांताओं ने भारत पर हमला किया। मुंबई की मुख्य पहचान मुंबई भाषी हैं और इसे बदला नहीं जा सकता।

राजद एमएलसी को 12 घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट, किया टॉर्चर

-साइबर अपराधियों ने फाइनेंशियल डिटेल्स खंगाली, स्कैन कर मांगे दस्तावेज

पटना।

राजद एमएलसी मोहम्मद शोएब को साइबर शातिरों ने 12 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर टॉर्चर किया। इनसे जुड़ी फाइनेंशियल डिटेल्स की पूरी जानकारी खंगाली। इस दौरान शोएब घर से बाहर तक नहीं निकल पाए। वीडियो कॉल करके साइबर अपराधियों ने उन्हें एक कमरे में बैठने को कहा। अब इस मामले में पटना के साइबर थाने में एमएलसी शोएब ने शिकायत दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज होने की साइबर थाने के एसएचओ पुलिस उपाधीक्षक ने इस घटना की पुष्टि की है। शोएब द्वारा की गई शिकायत के मुताबिक 8 अप्रैल की सुबह 10ः30 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक अनजाने नंबर से कॉल आया। सामने वाले ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का पदाधिकारी बताया। इसके बाद उसने शोएब से कहा कि आपके केनरा बैंक मुंबई ब्रांच के खाते से करोड़ों लोगों के साथ फ्रॉड किया गया है।

ऑनलाइन गैर कानूनी एक्टीविटी की गई है। इस वजह से मनी लॉन्ड्रिंग का मुकदमा दर्ज हुआ है। इसका केस नंबर 5621/2025 है। इस सिलसिले में आपसे पूछताछ करनी है। इसके बाद साइबर अपराधियों की

ओर से वीडियो कॉल की गई। मेरे खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कहकर प्रताड़ित किया। पर्सनल डिटेल्स देने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि फाइनेंशियल फ्रॉड नहीं हुआ है। व्हाट्सएप के जरिए वीडियो कॉल ठगों की ओर से किया गया था। कुछ पर्सनल जानकारी और डॉक्यूमेंट ऑनलाइन स्कैन कराकर उनलोगों ने मांगा, जिस नंबर से कॉल आया था, उसकी छानबीन की जा रही है।

सलमान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स निकला मानसिक रोगी

वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी

मुंबई।

अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी है। पुलिस के मुताबिक धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज है। पुलिस ने बताया कि वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है।उल्लेखनीय है कि वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, इसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को बम से उड़ाने की बात कही थी।

अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वडोदरा पुलिस ने बताया, तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल कर हम लोगों ने मयंक पांड्या को उसके घर से ट्रैक किया। चूंकि वह मानसिक बीमारी का इलाज करा रहा है, इसलिए पुलिस के द्वारा नोटिस भेजा है और जांच में शामिल होने को कहा गया है। मयंक के मोबाइल फोन और व्यवहार पर नजर रखने पर सामने आया कि वह मानसिक रूप से बहुत स्वस्थ नहीं है और उपचार करवा रहा है। वह सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता है और लोकप्रियता पाने की उसकी चाह है।

पश्चिम बंगाल में लोगों का पलायन करना बेहद चिंता का विषय: आलोक

नई दिल्ली।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी हिंसा पर चिंता जताते हुए ममता सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और सपा नेताओं के बयानों पर भी टिप्पणी की। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और 24 परगना में हुई हिंसा पर आलोक ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से आए तमाम इस्लामी जिहादी घुसपैठ कर चुके हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इन्हें राज्य सरकार का पूरा संरक्षण मिल रहा है। पश्चिम बंगाल में लोगों का पलायन हो रहा है, जो बेहद चिंता का विषय है। 1988-89 में कश्मीर में जो हालात बने और जिसके चलते कश्मीरी पंडितों को भागना पड़ा, वैसी ही तस्वीर आज बंगाल में सामने आ रही है। केंद्र सरकार को जल्द सख्त कदम उठाने होंगे। कांग्रेस नेता के बयान पर आलोक ने कहा कि दिग्विजय सिंह हिंदू धर्म के सबसे बड़े विरोधी हैं। उन्हें मुसलमानों से इतना प्रेम है तो बेहतर होगा कि वह इस्लाम धर्म को ही अपना लें। समाजवादी पार्टी के नेता इंद्रजीत सरोज और रामजीलाल सुमन को लेकर उन्होंने कहा कि देश में एक प्रतियोगिता सी चल रही है कि कौन सबसे ज्यादा जहरीला बयान दे सकता है। इंद्रजीत सरोज, रामजीलाल सुमन और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं की सोच यह बन चुकी है कि जितना ज्यादा हिंदुओं के खिलाफ बोलेंगे, उतना उनका वोट बैंक मजबूत होगा। यह मानसिकता देश को तोड़ने वाली है। उन्होंने रामजीलाल सुमन के विवादित बयान पर कहा कि हमारे अंदर श्रीराम का डीएनए है, लेकिन रामजीलाल सुमन में किसका है, यह हमें नहीं पता। लगता है कि वह मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने रॉबर्ट वाड्रा से ईडी की पूछताछ को लेकर सवाल किए जाने पर कहा कि ईडी और रॉबर्ट वाड्रा का पुराना रिश्ता रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

पीएम मोदी के निर्देश पर एक्शन, डीसीपी चंद्रकांत मीणा को हटाया

प्रधानमंत्री ने वाराणसी गैंगरेप मामले में जताई थी नाराजगी

वाराणसी।

पीएम नरेंद्र मोदी की नाराजगी के बाद वाराणसी गैंगरेप मामले में कमिश्नरेट के वरुणा जोन के डीसीपी चंद्रकांत मीणा को सोमवार रात हटा दिया। उन्हें डीजीपी कार्यालय में स्थानांतरित कर प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई पांडेयपुर की युवती से गैंगरेप के मामले में हुई है। बता दें बीते दिनों दौरे पर आए पीएम मोदी ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

बता दें वाराणसी में लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र की एक 19 साल की युवती से एक हफ्ते तक अलग-अलग जगहों पर गैंगरेप किया गया था। छात्रा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि 23 लड़कों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। छात्रा की मां की तरफ से एफआईआर कराई गई थी। एफआईआर में 12 नामजद और 11 अज्ञात युवकों पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस की एफआईआर में कहा गया कि छात्रा के साथ 29 मार्च को दरिंदगी की शुरुआत हुई थी।

सबसे पहले उसे हुक्का बार में ले जाकर दुष्कर्म किया गया। इसके बाद होटल और अन्य स्थानों पर नशा देकर अलग-अलग युवकों ने दुष्कर्म किया। इस दौरान चलती गाड़ी में भी छात्रा से दुष्कर्म किया गया। 4 अप्रैल को छात्रा को नशे की हालत में सड़क किनारे छोड़कर युवक फरार हो गए। गैंगरेप मामले अब तक 13 युवकों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब भी 10 युवक फरार हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

बता दें बीते दिन वाराणसी दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने इस गैंगरेप मामले में ही अधिकारियों से पूछताछ की थी।

पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर विमान से उतरने के बाद रनवे पर ही वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी एस राजलिंगम से पूरे मामले की जानकारी ली थी और दोषियों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था।

अध्यक्ष की दौड़ से अन्नामलाई हुए बाहर, तेजस्वी सूर्या को लेकर लगाई जा रहीं अटकलें

चेन्नई।

बीजेपी की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेन्द्रन के हाथों में होने और एआईएडीएमके के साथ गठबंधन के बाद निवर्तमान राज्य बीजेपी प्रमुख के अन्नामलाई के राष्ट्रीय भूमिका संभालने की उम्मीद की जा रही है। वहीं अन्नामलाई को लेकर जिस तरह की खबरें चल रही थी कि उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन इन सारी अटकलों पर अब विराम लगता दिख रहा है। बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा ये सवाल बार-बार खड़ा हो रहा है।

कोई कह रहा है कि आरएसएस की पसंद का होगा, कोई कह रहा है कि मोदी-शाह की पसंद का होगा तो कोई दक्षिण से किसी चेहरे को तरजीह मिलेगी तो कोई महिला अध्यक्ष का दावा कर रहा है। अन्नामलाई इस रेस में सबसे आगे बढ़ते नजर आ रहे थे क्योंकि वह नरेंद्र मोदी के खास हैं जो सिर्फ राजनीति ही उनके लिए कर रहे हैं, जिसे किसी दूसरे नंबर के नेता से भी कोई मतलब नहीं, जिस दिन अमित शाह ने ये ऐलान किया कि एआईएडीएमके के साथ गठबंधन करने जा रहे हैं, अन्नामलाई ने उस दिन कहा था कि वह राजनीति में नरेंद्र मोदी के चेहरे को देखकर आए थे। इसका मतलब है वह ये कहना चाहते हैं कि उनकी जवाबदेही मोदीजी के प्रति है।

बीजेपी इस बार दक्षिण भारत से अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर चर्चा जोरों से हैं। तेजस्वी सूर्या को अन्नामलाई से रिप्लेस किया जाएगा। इस वक्त अन्नामलाई को लेकर चर्चा चल रही है कि उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। अन्नामलाई युवा हैं, अच्छा बोलते हैं।

लोग उन्हें सुनना देखना पसंद करते हैं। आईपीएस अधिकारी रह चुके हैं, कोई दाग नहीं है। सिंघम के नाम से फेमस भी हैं। पीएम मोदी उन्हें बेहद पसंद भी करते हैं। पीएम मोदी के हाल के दस सालों में जितने भी तेज तर्रार अधिकारी रहें हैं उन्हें मौका दिया है। अन्नामलाई को अक्सर ऐसे राज्य में बीजेपी की उपस्थिति बढ़ाने का श्रेय दिया जाता है, जहां इसने अब तक बहुत कम प्रगति की है। भले ही तमिलनाडु में बीजेपी का वोट शेयर 2019 के लोकसभा चुनावों में 3 फीसदी से बढ़कर 11फसदी हो गया है।

एआईएडीएमके के साथ गठबंधन असंभव लग रहा था क्योंकि आईपीएस अधिकारी से राजनेता बने अन्नामलाई बीजेपी के अकेले चुनाव लड़ने के प्रबल समर्थक थे।

राहुल गांधी जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाने गुजरात में करेंगे बैठक

डीसीसी अध्यक्षों के चयन के लिए 43 एआईसीसी और 183 पीसीसी पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को गुजरात के मोडासा में संगठन सृजन अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाने के लिए पहली बैठक का शुभारंभ करेंगे।

बैठक से पहले एआईसीसी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि इसका उद्देश्य जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) और उनके अध्यक्षों को सशक्त बनाकर और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करके पार्टी संगठन को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि 2025 संगठनात्मक सुधारों का वर्ष है और राहुल गांधी इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए गुजरात जा रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने गुजरात से शुरू होने वाले डीसीसी अध्यक्षों के चयन के लिए 43 एआईसीसी पर्यवेक्षकों और 183 पीसीसी पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया है और उनकी पहली बैठक मोडासा शहर में हो रही है।

एआईसीसी पर्यवेक्षकों को डीसीसी के अध्यक्षों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया की देखरेख का काम सौंपा गया है।

बता दें अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन सत्र में डीसीसी अध्यक्षों की नियुक्ति का फैसला लिया गया था। इस अधिवेशन में खड़गे ने कहा था कि डीसीसी अध्यक्षों को सशक्त और जवाबदेह बनाया जाएगा और पार्टी उम्मीदवारों के चयन में भी उनकी भूमिका होगी।

राहुल गांधी ने कहा था कि वे डीसीसी और उनके प्रमुखों को कांग्रेस पार्टी की नींव बना रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के पूर्व नरेश ने तीनकुने की हिंसा पर जताया दुख, बोले- नागरिक स्वतंत्रता से बड़ा कोई तंत्र नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने राजधानी काठमांडो की तीनकुने में हुई

हिंसात्मक घटना पर दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नागरिक स्वतंत्रता से बड़ा कोई तंत्र नहीं हो सकता। नेपाली नववर्ष विक्रम संवत 2082 के अवसर पर जारी एक वीडियो संदेश में पूर्व नरेश ने कहा कि हाल ही में जन प्रदर्शन के दौरान जो हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं घटीं इस पर गहरा दु:ख हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी राजनीतिक दल, वर्ग या समुदाय को अपनी धारणा और मान्यता व्यक्त करते समय संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि व्यापारी दुर्गा प्रसाई की अगुवाई में मार्च 17 को पूर्व राष्ट्रीय पंचायत अध्यक्ष और राप्रपा नेता नवराज सुवेदी के नेतृत्व में राजतंत्र पुनर्स्थापना के लिए संयुक्त जनआंदोलन समिति का गठन किया गया था। सुवेदी ने प्रसाई को ही जन आंदोलन समिति का कमांडर घोषित किया था। प्रदर्शन से पहले, मार्च 28 को प्रसाई ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र से काठमांडो स्थित उनके घर निर्मल निवास में मुलाकात की थी।

कौन है 17 साल का अमेरिकी युवक निकिता कैसाप? जिसने रची ट्रंप की हत्या की साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पुलिस ने विस्कॉन्सिन से एक 17 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर अपने माता-पिता की हत्या का आरोप है। युवक का नाम निकिता कसाप है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा था। हालाँकि इसके लिए उसे पैसों की सख्त जरूरत थी, फिर भी उसने अपने माता-पिता की हत्या कर दी। आरोपी युवक का नाम निकिता कसाप है, जो अब पुलिस हिरासत में है। निकिता को कुछ लिखित दस्तावेज और संदेश मिले हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश का संकेत देते हैं। अमेरिका की वौकेशा काउंटी कोर्ट के मुताबिक निकिता पर 1-2 नहीं बल्कि कुल 9 आरोप लगाए गए हैं। उसने अपने माता-पिता की हत्या कर दी और उनके शव छिपा दिए। इसके अलावा निकिता ने तीन बार ट्रंप की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए उसने पूरी योजना बनाई और भारी विनाश करने वाले हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश की। बता दें कि यह घटना 11 फरवरी की है। निकिता ने 11 फरवरी को अपनी मां तातियाना कसुप और सौतेले पिता डोनाल्ड मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद उसने दोनों के शवों को छिपा दिया था। अमेरिकी पुलिस को इस हत्या के बारे में पता भी नहीं चला। पुलिस ने उसे पहले अपने पिता की एसयूवी चोरी करने और बंदूक रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। लेकिन निकिता के कारनामों का काला चिट्ठा खुलने के बाद पुलिस भी दंग रह गई। पुलिस को निकिता के फोन में हिटलर की नाजी विचारधारा से प्रेरित नेटवर्क द ऑर्डर ऑफ नाइन एंगल्स के सबूत मिले। जांच से पता चला कि निकिता ट्रम्प की हत्या के लिए बम बनाना सीख रही थी। इसके अलावा उसके पास से आतंकी हमलों से जुड़ा एक पत्र और कुछ तस्वीरें भी बरामद की गई हैं। निकिता के स्कूल मित्र ने शेरिफ कार्यालय में उसके खिलाफ बयान दर्ज कराया है। शेरिफ का कहना है कि निकिता कुछ समय पहले अपने माता-पिता की हत्या की साजिश रच रहा था, लेकिन उसके पास बंदूक नहीं थी। इसलिए उसने शेरिफ से कहा कि वह ऐसे व्यक्ति से दोस्ती करेगा जिसके पास बंदूक होगी। इसका उद्देश्य ट्रम्प की हत्या करके अमेरिकी सरकार को उखाड़ फेंकना था।

अफगानिस्तान में चार लोगों की गोली मारकर हत्या, तालिबानी नेता बोले- फांसी देना इस्लाम का हिस्सा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा है कि फांसी देना इस्लाम का हिस्सा है। यह बयान तब आया जब हाल ही में चार लोगों को हत्या के आरोप में गोली मारकर मौत की सजा दी गई थी। यह घटनाएं शुक्रवार को खेल स्टेडियमों में हुईं, जो 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद एक ही दिन में सबसे ज्यादा फांसी की घटनाएं मानी जा रही हैं। बता दें कि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन हत्याओं की निंदा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र और कई मानवाधिकार संगठनों ने इन हत्याओं को अमानवीय बताया है। वहीं तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की तरफ से जारी एक ऑडियो क्लिप में अखुंदजादा ने कहा, हमें सिर्फ नमाज या इबादत तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस्लाम एक पूरा जीवन पद्धति है जिसमें अल्लाह के सारे हुक्म शामिल हैं। इनमें सजाएं देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि तालिबान का संघर्ष सत्ता या धन के लिए नहीं था, बल्कि इस्लामी कानून को लागू करने के लिए था। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी देशों के कानूनों की अफगानिस्तान में कोई जरूरत नहीं है। इधर अफगान सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि चारों दोषियों को हत्या का अपराध साबित होने पर मौत की सजा दी गई थी। पीड़ित परिवारों ने माफ करने से इनकार कर दिया था। यह बयान ऐसे समय आया है जब तालिबान दुनिया के देशों, खासकर पश्चिमी देशों, से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने हाल ही में तालिबान के तीन नेताओं से इनाम हटा दिया है और चार अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया है।

भगोड़ा मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार, भारत की प्रत्यर्पण की अपील के बाद कार्रवाई

ब्रुसेल्स, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोकसी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील पर शनिवार को गिरफ्तार किया गया फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई, 2018 और 15 जून, 2021 की तारीख के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में छुपा हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी।

पत्नी की मदद से हासिल किया रेजिडेंसी कार्ड : चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' हासिल किया था, जो कथित तौर पर उसकी बेल्जियन नागरिक पत्नी की मदद से

प्राप्त किया गया था। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चोकसी ने बेल्जियम अधिकारियों को फर्जी दस्तावेज सौंपे थे। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छिपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके।

बेल्जियम से पहले एंटीगुआ-बारबूडा में था चोकसी : 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी बार-बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार करता रहा। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती थी। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं।

एंटीगुआ से डोमिनिका पहुंचा, जेल में 51 दिन रहा था : चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। सीबीआई की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया। हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है। एंटीगुआ पहुंचने के कुछ दिन बाद डोमिनिका की अदालत ने चोकसी के खिलाफ दर्ज केस भी खारिज कर दिए।

व्हिसलब्लोअर बोले- चोकसी को वापस लाना आसान नहीं : पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के व्हिसलब्लोअर हरिप्रसाद एसवी ने मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर कहा कि प्रत्यर्पण कोई आसाना काम नहीं है। उसका बटुआ भरा है। वह यूरोप के सबसे अच्छे वकीलों को हायर करेगा। जैसा कि विजय माल्या कर रहा है। इसलिए भारत के लिए उसे वापस लाना आसान नहीं है। हरिप्रसाद ने कहा कि चोकसी भले ही वह एंटीगुआ में पकड़ा गया था, लेकिन वह वहां से भागने में कामयाब रहा क्योंकि उसके पास वकीलों का एक बड़ा दल था। भारत सरकार के लिए यह इतना आसान नहीं होगा, हालांकि मुझे उम्मीद है कि इस बार सरकार सफल होगी।

मेहुल चोकसी भांजे नीरव मोदी के साथ भारत में वांछित : मेहुल चोकसी पंजाब नेशनल बैंक में 13,500 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है। वह अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ एंटवर्प (बेल्जियम) में रह रहा है। उसके पास एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता है। वह इलाज के लिए द्वीप राष्ट्र से बाहर गया था। उनके भतीजे नीरव मोदी भी इसी मामले में सह-आरोपी है। उसे भी लंदन से प्रत्यर्पित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक पीएनबी में घोटाला सामने आने से कुछ हफ्ते पहले वह जनवरी 2018 में भारत से भाग गया था। इससे पहले एंटीगुआ और बरबूडा के विदेश मंत्री ईपी शेत ग्रीन ने मेहुल चोकसी को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा था कि वह फिलहाल एंटीगुआ बारबूडा में नहीं है और इलाज के लिए विदेश गया हुआ है। वह अभी भी एंटीगुआ और बारबूडा का नागरिक है। हमारी और आपकी सरकार मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं, लेकिन लोकतंत्र में कुछ नियम होते हैं। हमें कानून के शासन का सम्मान करना होगा।

न्यूयॉर्क : विमान हादसे में पंजाब मूल की सर्जन, पति और दो बच्चों सहित छह की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में पंजाब मूल की एक सर्जन, उनके पति और दो बच्चों सहित 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार को, कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट पर लैंडिंग से ठीक पहले हुआ। सर्जन की पहचान डॉ. जॉय सैनी के रूप में हुई है, जो एक यूरोगाइनोकॉलेजिस्ट और महिला पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन थीं। उनके साथ पति माइकल ग्रॉफ, बेटी करेना ग्रॉफ, बेटे जैरेड ग्रॉफ और उनके-उनके साथी जेम्स सैंटोरो व अलेक्सिया कुइयुतास डुआर्ते भी विमान में सवार थे। विमान के पायलट सर्जन के पति थे।

नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के जांचकर्ता अल्बर्ट निक्सन ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विमान मित्सुबिशी एमयू2बी ने न्यूयॉर्क शहर के उपनगर वेस्टचेस्टर एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था। उन्होंने कहा कि पायलट पहली लैंडिंग मिस कर गया और दूसरी कोशिश के लिए अनुमति मांगी। लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को असामान्य रूप से नीची उड़ान पर पाया और अलर्ट भेजने की कोशिश की, पर पायलट जवाब नहीं दे सका। विमान हवाई अड्डे से करीब 10 मील दूर, मैसाचुसेट्स राज्य की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पारिवारिक बयान के अनुसार, माइकल ग्रॉफ एक न्यूरोसर्जन और अनुभवी पायलट थे। उन्हें बचपन में 16 वर्ष की उम्र में अपने पिता से उड़ान भरना सीखने के बाद से उड़ान का शौक था। उनकी बेटी करेना ग्रॉफ मेडिकल छात्रा थीं और उनके साथी जेम्स सैंटोरो एक इंवेस्टमेंट बैंकर थे।

पेंसिल्वेनिया के गवर्नर और उनका परिवार हमले में बाल-बाल बचा, संदिग्ध पर लगेंगे आतंकवाद के आरोप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो और उनका परिवार आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से सुरक्षित बच गया। एक व्यक्ति ने सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर इमारत में आग लगा दी थी। अब उस पर आतंकवाद के आरोप लगाए जाएंगे। शापिरो ने बताया कि रविवार को लगभग 2 बजे पुलिस ने उन्हें जगाया और राज्य की राजधानी हैरिसबर्ग स्थित आवास से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि आग लगाने वाले संदिग्ध व्यक्ति कोडी बामर (38) को शहर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया। स्थानीय अभियोजक फ्रैन चार्डो ने कहा कि कोडी बामर पर आतंकवाद, हत्या का प्रयास और आगजनी का आरोप लगाया जाएगा। शापिरो यहूदी हैं और यह हमला उनके धर्म के पवित्र पर्व पासओवर के दौरान हुआ। कुछ घंटे पहले, गवर्नर ने उसी कमरे में पारंपरिक सेडर डिनर आयोजित किया था, जहां आग लगाई गई थी। शापिरो ने कहा, अगर वह मेरे परिवार, मेरे दोस्तों को डराने की कोशिश कर रहा था, तो हमने अपने पर्व को गर्व से मनाया। कोई मुझे अपने धार्मिक पर्व को खुलकर मनाने से नहीं रोक सकता। गवर्नर ने अपने आवास के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, इस तरह की हिंसा ठीक नहीं है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह हरकत एक खास पक्ष की ओर से है।

सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी तेज, पीएम वोंग की पार्टी पीएपी उतारेगी भारतीय मूल के उम्मीदवार

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने कहा है कि वह चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों को उतारेगी। पीएम वोंग ने भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ संवाद में यह एलान किया। वोंग ने व्यापार, उद्योग और सार्वजनिक सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समूह के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है। आप पहले से ही सिंगापुर की भावना को दर्शाते हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है। यह छोटी है, लेकिन आपके वजन से ऊपर है। पीएम वोंग ने कहा कि सिंगापुर को कई भारतीय सिविल सेवकों से लाभ हुआ है। जैसे डॉ जनिल जो वरिष्ठ स्वास्थ्य राज्य मंत्री भी हैं। आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय समुदाय बहुत विविधतापूर्ण है और समुदाय ने एक अलग संस्कृति में विकसित होते हुए भी अपनी परंपराओं को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर के भारतीयों के लिए, आपके मूल्य, आपके मानदंड, आपके सोचने का तरीका, भारत में भारतीयों से अलग हैं। यह कुछ ऐसा अनमोल है जिसे हमने यहां बनाया है। यह एक सिंगापुरी रवैया, मानसिकता, जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि आप अपनी जातीय जड़ों पर गर्व कर सकते हैं और साथ ही सिंगापुरी होने पर भी गर्व कर सकते हैं। यही

सिंगापुरी होने का हमारा मतलब है। इस तरह हम कोशिश कर सकते हैं, भले ही एक छोटे से लाल बिंदु के रूप में हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम मजबूत और एकजुट रहें। हम एक दूसरे के साथ सद्भाव बनाए रख सकते हैं। संवाद में भारतीय मूल के वरिष्ठ डिजिटल विकास और सूचना राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी ने भी 130 युवाओं के साथ बात की। डॉ. जेनिल ने कहा कि भारतीय समुदाय का छोटा आकार है। हम सभी के साथ निकट संपर्क में रह सकते हैं, हमारे पास जो कनेक्शन, नेटवर्क, दोस्ती, विश्वास है उसका लाभ उठा सकते हैं। यह एक छोटा और संभावित रूप से बहुत अधिक घनिष्ठ समुदाय होने का एक फायदा है। हालांकि सिंगापुर में अधिकांश युवा एक ही चिंता साझा करते हैं, लेकिन भारतीय समुदाय नस्ल, धर्म और भाषा के मुद्दों को अलग तरह से दर्शाता है। जल्द हो सकता है चुनाव का एलान सिंगापुर में आम चुनाव का एलान जल्द हो सकता है। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। सिंगापुर दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारतीयों ने सिंगापुर के नागरिकों का 7.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व किया, जबकि मलय और चीनी क्रमशः जनसंख्या का 15.1 प्रतिशत और 75.6 प्रतिशत थे। हाल ही में राजनीतिक नेताओं के साथ देखे गए नए चेहरों में पूर्व एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश वासु दाश, लॉ फर्म टीटो इसाक एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर कवल पाल सिंह, 13 साल से ट्रेड यूनियनिस्ट जगतीश्वरन राजो और भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन हामिद रजाक शामिल हैं। वहीं भारतीय मूल के 59 वर्षीय प्रसिद्ध वकील हरप्रीत सिंह नेहल को भी विपक्षी वर्कर्स पार्टी के संभावित भारतीय उम्मीदवारों में देखा गया है। 2020 में पीएपी ने संसद में 83 सीटें जीती थीं। संवाद से एक दिन पहले पीएम वोंग ने कहा कि पार्टी 2025 के लाइन-अप में 30 से अधिक नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी।

टैरिफ विवाद के बीच वियतनाम पहुंचे जिनपिंग, कहा- व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता

हनोई, एजेंसी। जवाबी टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध छिड़ा है। दोनों देश एक-दूसरे पर भारी भरकम टैरिफ लगा रहे हैं। इस बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे की शुरुआत की। वे सोमवार को वियतनाम पहुंचे। यहां शी ने कहा कि व्यापार युद्ध या टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है। दोनों देशों को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली, स्थिर वैश्विक औद्योगिक, आपूर्ति श्रृंखलाओं और खुले व सहकारी अंतरराष्ट्रीय वातावरण की दृढ़ता से रक्षा करनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वियतनाम पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका की तरफ से बढ़ते दबाव को देखते हुए चीन ने समर्थन जुटाने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि विशेषज्ञ बताते हैं कि यह यात्रा पहले से प्रस्तावित थी, लेकिन टैरिफ युद्ध ने इसे अहम बना दिया है। वियतनाम में चीनी राष्ट्रपति वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लैम के साथ-साथ प्रधान मंत्री फाम मिन्ह चीन्ह से मुलाकात करेंगे। सिंगापुर के आईएसईएएस-यूसुफ

इशाक इंस्टीट्यूट के विजिटिंग फेलो गुयेन खाक गियांग ने कहा कि शी की यात्रा से चीन दक्षिण-पूर्व एशिया को दिखा सकता है कि वह एक जिम्मेदार महाशक्ति है, वह डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अमेरिका के पूरी दुनिया के सामने पेश होने के तरीके से अलग है। गुयेन ने कहा कि वियतनाम, मलयेशिया और कंबोडिया की यात्रा इसलिए भी है कि चीन वास्तव में ट्रंप के खिलाफ खुद को कैसे बचा सकता है। 2013 में चीन के राष्ट्रपति बनने के बाद से, उन्होंने केवल दो बार वियतनाम का दौरा किया है। यह उनकी तीसरी यात्रा है और दिसंबर 2023 में उनकी पिछली यात्रा के ठीक एक साल बाद हो रही है। अंतरराष्ट्रीय संकट समूह में हुआंग ले-थु ने कहा कि यात्रा का समय एक मजबूत राजनीतिक संदेश भेजता है कि दक्षिण पूर्व एशिया चीन के लिए महत्वपूर्ण है। ट्रंप के टैरिफ से दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र भी चिंतित हैं कि अगर टैरिफ लागू किए गए तो उनके विकास को जटिल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि शी की यात्रा यह दिखाने के लिए है कि चीन किस तरह से दबावपूर्ण और स्वार्थी अमेरिका के विपरीत है। इस संकट के समय में चीन किस तरह का नेतृत्व और पहल करने जा रहा है। वियतनाम को अमेरिका और चीन के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने का पुराना अनुभव है। यह चीन की तरह एक कम्युनिस्ट, एक-पक्षीय प्रणाली के तहत चलता है, लेकिन अमेरिका के साथ इसके मजबूत संबंध रहे हैं। 2023 में यह एकमात्र ऐसा देश था जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के शी जिनपिंग दोनों का स्वागत किया था।

ऊर्जा और खनिजों पर सहयोग बढ़ाएंगे दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया ने ऊर्जा और प्रमुख खनिजों के क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया है। यह फैसला बदलते वैश्विक आर्थिक माहौल और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच लिया गया है। दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह सहमति शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्री चोई सांग-मोक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेजरर (वित्त मंत्री) जिम चाल्मर्स के बीच एक वर्चुअल बैठक के दौरान बनी। इस बैठक में दोनों देशों के मंत्रियों ने माना कि वैश्विक व्यापारिक माहौल में बढ़ती अनिश्चितता, उनकी व्यापार-आधारित अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। ऐसे में ऊर्जा और प्रमुख खनिजों के क्षेत्रों में स्थिर आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने के लिए सहयोग बेहद जरूरी है। दोनों देशों ने इस दिशा में मिलकर प्रयास करने और जी20 जैसे बहुपक्षीय मंचों के माध्यम से संयुक्त पहल को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, लंबे समय से मजबूत साझेदार रहे दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चुनौतियों को एक साथ पार करने के लिए मिलकर काम करेंगे। दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और अन्य प्रमुख साझेदार देशों के साथ घनिष्ठ संवाद बनाए रखेगा। बयान में यह भी कहा गया कि ऑस्ट्रेलिया लिथियम, कोबाल्ट, तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। इसके अलावा, वहां के अनुकूल मौसम की वजह से स्वच्छ हाइड्रोजन और अमोनिया के उत्पादन की भी व्यापक संभावना है। इस बीच, दक्षिण कोरिया के विदेशी मुद्रा बाजार में पिछले सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह उतार-चढ़ाव तब से जारी है जब जुलाई 2024 में कोरियाई सरकार ने वॉन-अमेरिकी डॉलर ट्रेडिंग के घंटों को बढ़ाकर सुबह 9 बजे से अगले दिन तड़के 2 बजे तक कर दिया था। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में डॉलर के मुकाबले वॉन की विनिमय दर में 67.6 वॉन का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, जो बढ़े हुए ट्रेडिंग घंटों के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा है। पुराने रिकॉर्ड की बात करें, तो यह उतार-चढ़ाव नवंबर 2022 के बाद से सबसे अधिक है, जब साप्ताहिक उतार-चढ़ाव 101 वॉन था। शुक्रवार को आफ्टर-ऑवर्स ट्रेडिंग में कोरियाई वॉन 1,421 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 40 वॉन मजबूत था। यह 5 दिसंबर के बाद वॉन का सबसे मजबूत स्तर है। दिसंबर से अब तक वॉन 1,450 के स्तर से नीचे गिर चुका है और अमेरिकी टैरिफ की धमकियों और घरेलू राजनीतिक संकट के कारण लगातार अस्थिर बना हुआ है।

इक्वाडोर ने डेनियल नोबोआ को दोबारा राष्ट्रपति चुना, अपराध के खिलाफ उनकी बेबाक लड़ाई बनी निर्णायक

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर ने डेनियल नोबोआ को दोबारा राष्ट्रपति चुन लिया है। रूढ़िवादी करोड़पति का अपराध के खिलाफ जंग छेड़ने का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। कानून व्यवस्था को लेकर उनके बेबाक फैसले की वजह से इक्वाडोर ने उन्हें सर्वोच्च पद के लिए एक बार फिर से चुना है। कट्टर दक्षिणपंथी राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ को करीब 15 उम्मीदवार टक्कर दे रहे थे। 37 साल के अरबपति नोबोआ केले के व्यापारी के हैं। वह करीब 15 महीने पहले ही सत्ता में आए थे। उनका सबसे करीबी मुकाबला वामपंथी सांसद लुइसा गोंजालेज से था। वह पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरेया की 47 वर्षीय शागिर्द हैं।

पहले चरण का मतदान 9 फरवरी को कराया गया था। इस दौरान किसी भी उम्मीदार को 50 फीसदी वोट नहीं मिले थे। वहां के कानून के मुताबिक, अगर किसी भी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत वोट न मिलें हैं या उसे निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर 10 अंकों की बढ़त के साथ 40 प्रतिशत वोट न मिल सकें तो दूसरे दौर का मतदान कराना अनिवार्य होता है। इसी वजह से यहां 13 अप्रैल को फिर से मतदान कराया गया।

दक्षिण अमेरिकी देश में दो साल से भी कम समय में यह दूसरा राष्ट्रपति चुनाव था। नोबोआ ने मतदाताओं से जबरन वसूली, हत्या, अपहरण और अन्य अपराधों को जड़ से खत्म करने का वादा किया था। अपराध देश के महामारी से उभरने के बाद आम हो गए हैं। यहां के लोग 2021 में हुई हिंसा के बाद से चिंतित हैं। उस हिंसा ने देश को बदलकर रख दिया था और पड़ोसी कोलंबिया और पेरू में बन रही कोकीन की तस्करी से जुड़े अपराध में बढ़ोतरी देखी जाने लगी थी। इक्वाडोरवासियों ने वामपंथी वकील लुइसा गोंजालेज के मुकाबले एक बार फिर

नोबोआ पर भरोसा जताया। 2023 में अचानक कराने पड़े थे चुनाव इससे पहले अक्तूबर 2023 में हुए अचानक चुनाव के दूसरे चरण में मतदाताओं ने भी गोंजालेज के मुकाबले नोबोआ को चुना था। पहले दौर के चुनाव में सबसे अधिक वोट पाने के बाद अक्तूबर में नोबोआ को 44.17त्न वोट मिले, जबकि गोंजालेज को 44त्न वोट मिले थे। 2023 में नोबोआ और गोंजालेज अपनी-अपनी सियासी पारी शुरू कर रहे थे। वे पहली बार राष्ट्रपति पद की दौड़ में थे। मई 2023 में वे पहली बार तब सांसद बने थे, जब तत्कालीन राष्ट्रपति गिलर्मो लास्सो ने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने अपना जनादेश खो दिया और देश में अचानक चुनाव कराने पड़े। मतदान न करने पर 46 डॉलर का जुर्माना इक्वाडोर में 1.3 करोड़ से अधिक लोग मतदान के पात्र हैं। मतदान 65 वर्ष की आयु तक के वयस्कों के लिए अनिवार्य है। इसके इतर मतदान 16-17 वर्ष की आयु और 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए वैकल्पिक है। मतदान न करने पर 46 डॉलर का जुर्माना लगाया जाता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंत्री मुकेश पटेल के बेटे ने भी हथियार रखने के लिए नागालैंड से लाइसेंस लिया।

घोटाले में अब तक 23 लोगों की गिरफ्तारी, क्या मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी होगी?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नागालैंड से लाइसेंस प्राप्त करने का रैकेट अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। गुजरात एटीएस, सूरत क्राइम ब्रांच, सुन्दरनगर एसओजी सहित कई जांच एजेंसियां इस घोटाले की जांच कर रही हैं। अब ओलपाड से तीन बार चुने गए विधायक और वर्तमान राज्य स्तरीय मंत्री मुकेश पटेल के बेटे के पास भी नागालैंड से जारी हुआ एक व्यापार लाइसेंस सामने आया है। इतना ही नहीं, इस लाइसेंस को मंत्री के बेटे ने सूरत पुलिस के चॉपड़े पर भी चढ़ा दिया है। इस रैकेट में अब तक गुजरात एटीएस ने 23 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, और अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी होगी या नहीं।

नागालैंड से लाइसेंस प्राप्त करने का रैकेट अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। गुजरात एटीएस, सूरत क्राइम ब्रांच, सुन्दरनगर एसओजी सहित कई जांच एजेंसियां इस घोटाले की जांच कर रही हैं। अब ओलपाड से तीन बार चुने गए विधायक और वर्तमान राज्य स्तरीय मंत्री मुकेश पटेल के बेटे के पास भी नागालैंड से जारी हुआ एक व्यापार लाइसेंस सामने आया है। इतना ही नहीं, इस लाइसेंस को मंत्री के बेटे ने सूरत पुलिस के चॉपड़े पर भी चढ़ा दिया है। मूल ओलपाड के निवासी और वर्तमान राज्य मंत्री मुकेश पटेल के बेटे विशाल पटेल ने वर्ष 2022 में नागालैंड से All India Arms License प्राप्त किया था। खास बात यह है कि इस लाइसेंस पर एक विशेष रूप से ध्यान आकर्षित करने वाली बात है, वह है इसका UIN (Universal Identification Number) 213-801001899102019, जो हाथ से लिखा हुआ है। सामान्य रूप से सरकारी दस्तावेजों में कोई भी जानकारी टाइप की जाती है, लेकिन इस हस्तलिखित ड्डह नंबर पर सवाल उठ रहे हैं।

लाइसेंस बुक के पते की बात करें तो, विशाल पटेल का पता ''पटेल फळीयू, नघोई, ओलपाड, सूरत'' दर्शाया गया है। हालांकि, ''पुलिस स्टेशन'' कॉलम में ''झांगीरपुरा'' का उल्लेख किया गया है। जबकि ''वर्तमान निवास'' के रूप में ''हाउस नंबर 123, इंडस्ट्रियल विलेज, राझुफे, जिला दीमापुर, नागालैंड'' लिखा गया है।

विशाल पटेल ने सितंबर 2022 में रु. 20 के स्टांप पेपर पर हथियार लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज नागालैंड की प्राधिकृत संस्थाओं को सौंपे थे। इन दस्तावेजों के आधार पर उन्हें नागालैंड से देशव्यापी हथियार लाइसेंस (All India Arms License) प्रदान किया गया था।

सूरत पुलिस के रिकॉर्ड में भी नागालैंड लाइसेंस दर्ज हुआ

यह घटना यहीं पर नहीं रुकती। नागालैंड से जारी हुआ यह लाइसेंस अब सूरत शहर पुलिस के रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। केवल विशाल पटेल ही नहीं, बल्कि उनके साथ दो अन्य व्यक्तियों ने भी ऐसा ही किया है। तीनों ने सूरत पुलिस के सामने च्टेकन ओवर एप्लिकेशनज्ञ दी और अपने नागालैंड के लाइसेंस को सूरत में मान्य करवा लिया है।

सूरत शहर पुलिस ने इस मामले में पूरी प्रक्रिया के अनुसार नागालैंड पुलिस से NOC (No Objection Certificate) मांगी थी। सूरत शहर की विशेष शाखा की DCP हेतल पटेल ने कहा, ''जब किसी व्यक्ति के पास नागालैंड से प्राप्त ऑल इंडिया लाइसेंस होता है और उसे सूरत में उपयोग के लिए मान्य कराना होता है, तो वे टेकन ओवर आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज़ प्रदान करते हैं। हम नागालैंड की प्राधिकृत संस्था से हस्ताक्षरित NOC प्राप्त करते हैं, जो एक हार्ड कॉपी होती है। इसे ही हमारे रिकॉर्ड पर मान्यता दी जाती है, और केवल वही रजिस्टर्ड एडि से प्राप्त NOC मान्य होती है।''

सूरत में नागालैंड के हथियार लाइसेंस के संबंध में जांच सूरत क्राइम ब्रांच द्वारा की जा रही है। क्राइम ब्रांच के DCP भावेश रोज़ीया बताया कि इस समय क्राइम ब्रांच को इस लाइसेंस के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जांच एजेंसी द्वारा भी जांच की जा रही है, लेकिन अब तक इस मामले में कोई तथ्य सामने नहीं आए हैं। पुत्र के कदम से बीजेपी मंत्री मौन मंत्री मुकेश पटेल से टेलीफोनिक संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। विशाल पटेल के हथियार लाइसेंस की जानकारी बाहर आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी भारी चर्चा हो रही है। खासकर तब, जब विशाल के पिता बीजेपी के मंत्री हैं, राज्य में प्रतिबंधित हथियारों के लाइसेंस पर नए-नए खुलासे हो रहे हैं और एटीएस सहित अन्य एजेंसियां गहरे स्तर पर जांच कर रही हैं।

लुटेरी दुल्हन के बाद मुख्य आरोपी चार महीने में पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दो युवकों को शादी से पहले ही लूटकर फरार हो गए थे; लड़कियों की उम्र की युवतियाँ युवकों को ठगने के लिए उनका उपयोग करती थीं। सूरत में चार महीने पहले दो युवकों को लूटकर फरार हुए चार सदस्यीय गिरोह में दो लूटेरी दुल्हनें शामिल थीं। इन लूटेरी दुल्हनों ने विवाह की इच्छा रखने वाले युवकों से बनाकर वराछा के एक युवक के साथ सगाई का नाटक किया और उससे 1.50 लाख रुपये वसूल किए। वहीं, दूसरी युवती के जरिए 99 लाख रुपये भी वसूल किए गए थे। लूटेरी दुल्हन के खिलाफ पंचमहल के शहेरा और राजपीपला में भी मामले दर्ज हैं।

7 दिसंबर को वराछा रिद्धि पैलेस में रहने वाले हिमंत गोरधन वोरा ने इस मामले में वराछा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। वे अपने 22 वर्षीय पुत्र रोमित के लिए लड़की ढूंढ़

सगाई या शादी के बाद अगले दिन भागने का सिलसिला शुरू किया। नर्मदा जिले की 22 वर्षीय लूटेरी दुल्हन, चंद्रिका उर्फ पूजा दिनेश वसावा को वराछा पुलिस ने दो महीने में पकड़ लिया था। अब इस मामले में मुख्य आरोपी विपुल महाराज की गिरफ्तारी हो गई है। विपुल ने युवती को पद्मा रहे थे। इसी दौरान उन्हें अपने मित्र रवजी रूपारेलिया (रह. हरे कृष्णा एपा, हीराबाग) मातावाड़ी चौक्सा बाजार में मिले। रवजीभाई भी अपने पुत्र अतुल के लिए लड़की ढूंढ़ रहे थे। समाज में लड़की नहीं मिलने के कारण दोनों अन्य जाति या समाज से भी लड़की मिलने के प्रयास कर रहे थे।

पैसों देने से इंकार करने पर नशेड़ी ने हत्या कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पैसों देने से इंकार करने पर नशेड़ी ने हत्या कर दी। बात बस इतनी थी कि नशेड़ी ने नशा करने के लिए मृतक किशोर से पैसे मांगे, लेकिन उसके पास केवल 10 रुपये थे, इसलिए उसने देने से इंकार कर दिया। इस पर नशेड़ी ने रुकने का नाम नहीं लिया, उसने आगे जाकर रिक्शा चालक से भी कहीं जाने को कहा, लेकिन रिक्शा चालक ने इंकार कर दिया, तो उसने उसे भी चप्पू से वार कर घायल कर दिया। अब रिक्शा चालक इलाज के लिए अस्पताल में है। फिलहाल आरोपित प्रभु और चप्पू से वार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

रात को स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद, पुलिस को पांच थानों की मदद बुलानी पड़ी और पुलिस स्टेशन के गेट को लॉक करना पड़ा। इसके बाद धीरे-धीरे रात के 2 बजे मामले को शांत किया गया, लेकिन आज (15 अप्रैल, 2025) दोपहर में यह फिर से उग्र हो गया, जब शराब के अड्डों के खुल्लेआम चलने के आरोपों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं कापोद्र पुलिस स्टेशन पहुंची। उन्होंने शराब के अड्डों को बंद करने की जोरदार मांग की और इस दौरान महिलाओं की पुलिस के साथ झड़प भी हुई। पुलिस किसी तरह भीड़ पर काबू पा सकी। इस दौरान 17 साल के किशोर की हत्या करने वाले आरोपी को फांसी की सजा देने के नारे लगाए गए, जिसके बाद महिलाओं ने कापोद्र पुलिस स्टेशन का घेराव किया।

मृतक के पिता अरविंदभाई ने कहा कि ''मैं 17 साल से सूरत में फल की फेरी लगाकर फल बेचता हूं। मेरा बेटा परेश अरविंद वाघेला गीतांजलि में डायमंड कटिंग का काम करता था। शाम को काम करके वापस लौटते वक्त घर के पास लुख्के तत्वों ने उसे बेरहमी से हत्या कर दी। मैं गरीब आदमी हूं, कहां न्याय के लिए जाऊं? अकेला हूं (रोते हुए), इसलिए मैं जनता से अनुरोध करता हूं कि मुझे न्याय मिले। मेरे पास एक ही बेटा था और 4 बेटियां हैं। वे सभी लुख्के तत्व हैं। वे मुझसे बुरा व्यवहार करते हैं, लेकिन 20 साल से कोई कदम नहीं उठाया गया है। मैंने पुलिस कमिश्नर से न्याय की मांग की है।''

डीसीपी अलोक कुमार ने बताया कि कापोद्र पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आरोपी और पीड़ित आपस में टकराए थे। आरोपी ने मृतक से पैसे मांगे थे, लेकिन पैसे देने से इनकार करने पर आरोपी ने उसे चाकू मारकर हत्या कर दी। डी स्टाफ ने 15 मिनट में ही आरोपी को पकड़ लिया था। आगे की जांच में यह भी पता चला कि इस मामले में एक चाकू देने वाला भी आरोपी था, जिसे हमने भी पकड़ लिया है। डीसीपी ने आगे कहा, ''स्नस्रु और ई-गवाहियों में पंचनामे को रिकॉर्ड करने सहित सभी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में क्राइम ब्रांच की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम काम कर रही है। इस केस को मजबूत करने के लिए वैज्ञानिक सबूत एकत्र करके कोर्ट में पेश किए जाएंगे। शराब के किसी भी अड्डे के खिलाफ स्पेशल पेट्रोलिंग की जाएगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।''

सूरत में व्यापारी ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या का प्रयास किया।

शिक्षा समिति के सदस्य शुभम उपाध्याय के दो भाइयों पर धमकी देने का आरोप।

ट्रामाडोल की 24 गोलियां और फिनाइल पी गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कर्ज में डूबे उधना के एक व्यापारी ने ट्रामाडोल की 24 गोलियां और फिनाइल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद उसे नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी पास से चार पन्नों का सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट और युवक की बहन के अनुसार, शिक्षा समिति के सदस्य शुभम उपाध्याय के दो भाइयों पर नेताओं और अधिकारियों के नाम पर धमकाने का आरोप लगाया गया है।

चार पन्नों का सुसाइड नोट लिखकर व्यापारी ने आत्महत्या का प्रयास किया।

मिली जानकारी के अनुसार, उधना की लक्ष्मी नारायण सोसाइटी में रहने वाले अंकित तिवारी ने कल दोपहर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, उनकी बहन और परिवार ने तुरंत उन्हें नई सिविल अस्पताल पहुंचाया। व्यापारी के पास से अंग्रेजी में हिंदी उच्चारण वाली चार पन्नों की एक नोट मिली है, जिसमें उसने लेनदारों और शिक्षा समिति के सदस्य शुभम उपाध्याय के दो भाइयों - विजय और सुजीत - पर धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

सुसाइड नोट में आरोप लगाया गया है कि ये दोनों भाई नेताओं और अधिकारियों से पहचान होने की बात कहकर उधारी चुकाने के लिए समय दिलाने का भरोसा दिलाते थे। उन्होंने व्यापारी के ऑफिस में 15 लाख रुपये का निवेश किया था और अब व्यापारी की ही एक यूनिट में बैठते हैं। साथ ही, उसे धमकाते भी थे।

10 से अधिक लेनदारों द्वारा धमकी दिए जाने का भी उल्लेख सुसाइड नोट में अंकित तिवारी ने विजय पर आरोप लगाते हुए उल्लेख किया है कि विजय के भाई का विधायक पाटिल से अच्छा परिचय है, इसी कारण वह धमकी देता है। विजय और सुजीत के अलावा 10 से अधिक लेनदारों द्वारा धमकी दिए जाने का भी उल्लेख सुसाइड नोट में किया गया है।

सुसाइड नोट में जिन लोगों के नाम हैं, उनमें से एक दंपति ने कुछ दिन पहले अंकित तिवारी और उसकी मां मनोरमा तिवारी के खिलाफ 63.86 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था। मां-बेटे ने टी-शर्ट के ऑनलाइन व्यापार में महीने के 26% मुनाफे का झांसा देकर निवेश करवाया और ठगी की थी। इस मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा कर रही है। इसी बीच अंकित द्वारा आत्महत्या के प्रयास के चलते मामला अब चर्चा का विषय बन गया है।

अपहरण के बाद हत्या की आशंका सात दिन बाद पानी की नहर से मिला शव

धमकी मिलने के बाद सब्जी व्यापारी अचानक लापता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपोद्रा इलाके में रहने वाले सब्जी व्यापारी का शव ओलपाड क्षेत्र में पानी की नहर से संदिग्ध हालत में मिलने पर परिवार ने हत्या की आशंका जताई है। बताया जा रहा है कि सब्जी व्यापारी का साला एक युवती को भगा ले गया था, जिससे नाराज़ होकर युवती के परिजनों ने दुकान पर आकर सब्जी व्यापारी को 24 घंटे के भीतर उठा ले जाने की धमकी दी थी। मृतक के परिवार और रिश्तेदारों ने युवती के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। कपोद्रा पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

सूरत के कपोद्रा पुलिस थाना क्षेत्र के खोड़ियार नगर में रहने वाले प्रमोद चौधरी का शव ओलपाड क्षेत्र की पानी की नहर से संदिग्ध हालत में मिला है। इस बारे में कपोद्रा पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार और समाज के लोग कपोद्रा पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां मृतक की पत्नी और परिवार के सदस्यों ने गहरा शोक जताया। सब्जी व्यवसाय से जुड़े व्यापारी का शव संदिग्ध हालत में मिलने पर परिवार ने हत्या की आशंका जाहिर की है।

मृतक के परिवार और रिश्तेदारों के अनुसार, मूल रूप से बिहार के निवासी प्रमोद चौधरी सूरत के कपोद्रा पुलिस थाना क्षेत्र के हीराबाग स्थित खोड़ियार नगर में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे, जबकि एक अन्य बच्चा अपने रिश्तेदारों के पास बिहार में रहता था। प्रमोद चौधरी कपोद्राहीराबाग क्षेत्र में सब्जी की दुकान चलाते थे। 7 अप्रैल को प्रमोद चौधरी अपनी दुकान पर मौजूद थे, इसी दौरान कुछ लोग वहां आए और उन्हें 24 घंटे के भीतर उठाकर ले जाने की धमकी दी थी।

गुम हुए प्रमोद चौधरी को खोजने में सफलता नहीं मिली प्रमोद चौधरी का साला एक युवती को भगा ले गया था, जिसके परिजन प्रमोद चौधरी की दुकान पर आए थे और धमकी दी थी।

सूरत-हजीरा रो-रो फेरी के माध्यम से शराब की तस्करी

ट्रक में M.S. स्क्रैप के बीच शराब का जखीरा छुपाया गया था, 18 लाख के मुद्देमाल के साथ दो की गिरफ्तारी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत हजीरा रो-रो फेरी पर फिर एक बार विदेशी शराब की तस्करी की जा रही थी। हजीरा पुलिस की सर्विलांस टीम ने सूचना के आधार पर शराब से भरी ट्रक को पकड़ लिया और 18 लाख का मुद्देमाल ज़ब्त किया। ट्रक में भरे गए रूस (माइल्ड स्टील) स्क्रैप के नीचे छुपाई गई विदेशी शराब की कुल मात्रा 1.09 लाख रुपये से अधिक की पाई गई।

हजीरा पुलिस स्टेशन को सूचना मिली थी कि सुरत से आ रही अशोक लेलन कंपनी की ट्रक (रजिस्ट्रेशन नंबर GJ-03-BT-9669) में अवैध विदेशी शराब का जखीरा भरा हुआ है और वह रो-रो फेरी के माध्यम से भावनगर की ओर जा रही है। इस सूचना के आधार पर हजीरा स्थित रो-रो फेरी के पार्किंग में पुलिस की सर्विलांस टीम ने निगरानी रखी और संदिग्ध ट्रक को रोका, फिर उसकी जांच शुरू की।

जांच के दौरान ट्रक में रूस. स्क्रैप भरा हुआ पाया गया था, लेकिन गुप्त रूप से छिपाई गई विदेशी शराब की बोतलें भी मिलीं। कुल 113 विदेशी शराब की बोतलें भारतीय ब्रांड्स के साथ पाई गईं, जिनकी कीमत 1,09,473 रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, ट्रक में मौजूद रूस. स्क्रैप, जिसका वजन 16.100 टन है, उसकी कीमत 7,02,926 रुपये बताई गई है।

पुलिस ने ट्रक रजिस्ट्रेशन नंबर GJ-03-BT-9669 (कीमत 10,00,000 रुपये), शराब की बोतलें, दो मोबाइल फोन (कीमत 20,000 रुपये), दो आधार कार्ड, एक आरसी बुक और स्क्रैप के ई-वे बिल सहित सभी दस्तावेजी विवरण जब्त किए हैं। कुल मिलाकर 18,3-2,399 रुपये के मुद्देमाल की तस्करी की जा रही थी।

इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पकड़े गए आरोपियों में विमलभाई धीरुभाई डोंगा (उम्र 43), व्यवसाय ट्रांसपोर्ट, निवासी यशपार्क, गुंदाला चौकड़ी, तालुका गोंडल, जिला राजकोट और किरणभाई बुधाभाई भाटीया (उम्र 24), व्यवसाय क्लीनर, निवासी हुडको सोसाइटी, वोराकोटड़ा रोड, तालुका गोंडल, जिला राजकोट शामिल हैं।

डिंडोली की गैंग पिस्तौल के साथ पकड़ी गई लूट के लिए पुणे में फायरिंग की प्रैक्टिस की

जहांगीरपुरा में क्राइम ब्रांच का ऑपरेशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में डकैती की घटना को अंजाम देने से पहले ही सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने चार कुख्यात अपराधियों को एक पिस्टल, एक तमंचा और दो जिंदा कारतूसों के साथ पकड़ लिया।

क्राइम ब्रांच की टीम को जानकारी मिली थी कि, जहांगीरपुरा नए गौरव पथ रोड पर स्थित धनुष बंगलोज़ के पास खुले मैदान में चार संदिग्ध व्यक्ति हथियारों के साथ मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारा और जीतेंद्र उर्फ़ ज्वाला राजबहादुर यादव (उम्र 27), गुलशन उर्फ़ टिंकू कुमार देवेंद्र पटेल (उम्र 29), निलेश उर्फ़ अजीतजितेंद्र दुबे (उम्र 21) और रत्नेश उर्फ़ गगन अनिल कुमार सिंह (राजपूत) (उम्र 30) को गिरफ्तार कर लिया।

गैंग के पास से एक देशी पिस्तौल, एक तमंचा और दो जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने इन हथियारों को जब्त कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बड़ी डकैती करने की योजना बनाई थी, और इसके लिए उन्होंने हथियार खरीदे थे।